आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 25 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 103

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

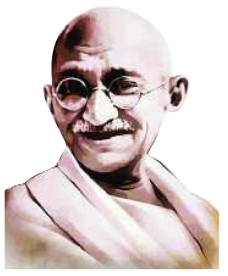

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

एलिवेटेड कॉरिडोर पर फिर उठने लगे सवाल

पेज-2

फिल्म 'भूत बंगला' का नया पोस्टर

पेज-5

आयकर विभाग ने दिया 10 ज्वेलर्स को झटका

पेज-6

इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी ने टेंडर में किए करोड़ों के खेल, गांधी हॉल का रिनोवेशन भी नियम के खिलाफ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कैग की हालिया रिपोर्ट में इंदौर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इसमें करोड़ों के टेंडर घोटाले और नियमों के उल्लंघन का पर्दाफाश किया गया है। इसमें गांधी हॉल का नवीनीकरण भी शामिल है। केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना स्मार्ट सिटी मिशन घोटाले की भेंट चढ़ चुका है। इंदौर स्मार्ट सिटी मिशन में टेंडर के नाम पर जमकर खेल हुए हैं। कभी सिंगल बोली में ठेका दे दिया गया, तो कभी सही ठेके को निरस्त कर अपने वाले को दे दिया। फंड को भी नियमों से बाहर जाकर डायवर्ट किया गया। इंदौर गांधी हॉल का रिनोवेशन भी नियमों के खिलाफ किया गया था।

कैग की रिपोर्ट में एक-एक बातों का खुलासा-कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (सीएजी-कैग) की रिपोर्ट में एमपी के सभी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का विश्लेषण किया गया है। इसमें इंदौर के कई प्रोजेक्ट और टेंडर को लेकर गंभीर टिप्पणियां की गई हैं। साफ लिखा गया है कि इस सरकारी राशि के नुकसान के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने वित्तीय नियमों का उल्लंघन कर यह काम किए हैं। इंदौर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में कुल 773 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसमें केंद्र से 485 करोड़ रुपए और राज्य से 275 करोड़ रुपए मिले थे। बाकी 13 करोड़ अतिरिक्त खर्च हुए हैं।

गांधी हॉल का रिनोवेशन, बस्ती का सौंदर्यीकरण गलत-रिपोर्ट में साफ है कि स्मार्ट सिटी मिशन की गाइडलाइन के तहत बिना इन्फ्रास्ट्रक्चर, तकनीक वाले कामों को नहीं लेना था। इसके बाद भी गांधी हॉल का रिनोवेशन सात करोड़ 42 लाख की लागत से नगर निगम ने स्मार्ट सिटी से कराए थे। इसके साथ ही निगम ने 16 जगहों पर सिविल वर्क कराकर बस्ती का सौंदर्यीकरण भी 10 करोड़ 58 लाख की लागत

से किया, जो नियमों के खिलाफ था। इसके अलावा, वाटर संरचना पर छह करोड़ 80 लाख और सड़क के विज्युअलाइजेशन वर्क पर 42 करोड़ 53 लाख रुपए खर्च किए गए थे। इस तरह, इंदौर स्मार्ट सिटी ने कुल 68 करोड़ के काम नियमों के खिलाफ किए हैं। इसी तरह इंदौर में स्मार्ट सिटी कंपनी के प्रशासनिक कामों पर 47 करोड़ रुपए खर्च हुए जो बहुत ज्यादा है।

तय कीमत से अधिक पर दे मारा टेंडर-टेंडर में तो जमकर खेल हुए हैं। कैग ने जल आपूर्ति व सीवरेज संबंधी काम के टेंडर की जांच कर विस्तार से यह खेल बताया है। साल 2017 में टेंडर हुआ था। इसमें एक ही टेंडर आया तो रद्द कर दिया था। इसके बाद जनवरी 2018 में दूसरी बार हुआ तो तीन कंपनी आईं थी। इसमें कंपनी मेसर्स तेजस कंसट्रक्शन ने 201 करोड़ की बोली लगाई तो विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया दूसरे नंबर पर थी। उसने आपत्ति ली और कहा कि टेंडर में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी की गई थी। वहीं, स्मार्ट सिटी ने बाद में जांच की और खुद पुंगलिया ने भी माना कि टेंडर सही था। इसके बाद टेंडर रद्द कर दिया गया था। फिर तीसरी बार टेंडर आपत्ति लेने वाली कंपनी पुंगलिया को 237 करोड़ में दे दिया था। यानी पूर्व टेंडर 201 करोड़ से 36 करोड़ रुपए से अधिक में दे दिया गया था।

सरकार कह रही है कि हाईकोर्ट के आदेश से भुगतान हुआ, लेकिन ठेका गैर अनुभवी ठेकेदार को क्यों दिया गया इसका कोई कारण नहीं बताया गया। कंपनी से पैसे भी चले गए और काम भी नहीं हुआ। ठेके का काम ऐसे ठेकेदार को दे दिया गया, जो अनुभवहीन था और बाद में वह भाग गया। सरकार कह रही है कि हाईकोर्ट के आदेश से भुगतान हुआ था। वहीं, यह नहीं बताया गया कि अनुभवहीन ठेकेदार को काम क्यों दिया गया था।

निगम ने ले लिया कंपनी का पैसा-कैग ने इस बात पर भी आपत्ति ली कि निगम ने अपने काम के लिए स्मार्ट सिटी से फंड डायवर्ट कराया था। इंदौर नगर निगम ने सड़क निर्माण के लिए 30 करोड़ का ठेका साल 2013 में दिया था। यह स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट आने से पहले का था। इसके तहत ठेकेदार को 15 करोड़ का भुगतान किया था। वहीं, बाद में स्मार्ट सिटी आने पर यह काम कंपनी को दे दिया था। साथ ही ठेकेदार को दिए गए पुराने 15 करोड़ के भुगतान भी वापस ले लिया गया था। साथ ही ठेकेदार को बाकी बचे 15 करोड़ का भुगतान भी स्मार्ट कंपनी से ही कराया गया था।

एक ही कंपनी को बिना टेंडर फिर काम दिया

इसी तरह साल 2017 में स्मार्ट सिटी ने जरूरी उपकरण के लिए टेंडर किया था। इसमें मेसर्स हायवा इंडिया प्रालि को ऑर्डर दिया था। इससे आठ करोड़ 47 लाख के उपकरण लिए थे। बाद में ये कहा गया कि अतिरिक्त उपकरण की जरूरत है। फिर इसी कंपनी से बिना टेंडर किए ही पुराने वर्क ऑर्डर पर आठ करोड़ 59 लाख रुपए के उपकरण और ले लिए गए थे। वहीं, यह कहीं नहीं बताया गया कि आखिर इस खरीदी का क्या औचित्य था। यह वित्तीय अनियमितता थी।

यहां तो गजब किया ठेकेदार पैसे लेकर चला गया

वहीं एक काम का और जिक्र किया गया है। इंदौर में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लगाने का 40 करोड़ का काम तय हुआ था। इससे 30 चौराहों पर ट्रैफिक सुधार होना था। साल 2019 में वर्क ऑर्डर हुआ था। कंपनी से दो करोड़ की बैंक गारंटी ली गई थी। ठेकेदार ने कुछ दिन काम किया और उसे 23 करोड़ का भुगतान हो गया था। वहीं, ठेकेदार काम पूरा नहीं कर पाया और ठेका जुलाई 2021 में निरस्त कर दिया गया था। कंपनी से राशि भी चली गई और काम भी नहीं हुआ था। ठेका देते हुए तीन साल के टर्नओवर और सात साल के अनुभव को नहीं देखा गया था। काम ऐसे ही अनुभवहीन ठेकेदार को दे दिया गया था, जो आखिर भाग गया।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में महिला और उसके 3 बच्चों की धारदार हथियार से हत्या
- 'देश के सबसे तेजी से विकासशील राज्यों में से एक है यूपी', टोक्यो में बोले सीएम योगी
- पाकिस्तान में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में 4 सुरक्षाकर्मियों समेत 11 की मौत
- पश्चिमी तुर्की में प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एफ-16 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत
- आज इजरायल के दो दिवसीय दौरे के लिए रवाना होंगे पीएम मोदी
- सीक्रेट मिशन पर पूर्व CBI चीफ! शंकराचार्य से बंद कमरे में हुई 25 मिनट की मुलाकात

होली के बाद होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र में एसआईआर का काम पूरा हो गया है। चुनाव आयोग की बाध्यता 21 फरवरी को पूरी हो गई है। ऐसे में अब सरकार मैदानी अफसरों का ट्रांसफर कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार करवा ली है। संभावना जताई जा रही है कि 6 मार्च को विधानसभा के बजट सत्र के बाद बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होगी। इसमें कुछ संभागायुक्त के साथ दर्जनभर जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे।

सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव की कलेक्टर-कमिश्नर

कॉफ्रेंस के बाद अधिकारियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार कर ली है। अब उस रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश सरकार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करेगी। जिसमें एक दर्जन से अधिक जिलों के कलेक्टर भी बदले जाने की संभावना है। इस फेरबदल में भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, धार के प्रियंक मिश्रा से लेकर रीवा, ग्वालियर, मैहर, नर्मदापुरम, झाबुआ जिले की महिला कलेक्टर को बदले जाने की संभावना है। साथ ही 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने का सिलसिला शुरू होगा। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार मैदानी अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर शासन स्तर पर मंथन हो चुका है। तबादलों में तीन संभागायुक्त भोपाल, ग्वालियर, रीवा को बदला जा सकता है। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सचिव पदोन्नत हो गए हैं। उन्हें भोपाल संभागायुक्त बनाया जा सकता है या फिर मुख्यमंत्री कार्यालय में वापसी हो सकती हैं।

दिखने लगी टेसू के फूलों की बहार...

इंदौर ● प्रकृति के चक्र भी निराले है। बदली फिजा और मौसम के परिवर्तन के बीच शहर में अब अनेक जगह टेसू के फूल नजर आने लग गए हैं। आम तौर पर होली त्योहार के पूर्व ही इस तरह के फूल दिखाई देते हैं। फोटो : दैनिक इंदौर संकेत

कम नामांकन वाले कोर्स को डीएवीवी करेगा बंद!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में कम प्रवेश वाले पाठ्यक्रमों को समाप्त करने की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे ऐसे पाठ्यक्रमों की सूची तैयार करें, जिनमें पिछले तीन से चार वर्षों में 30 प्रतिशत से कम सीटें भरी गई हैं। इन पाठ्यक्रमों को आगामी नान-सीयूईटी प्रवेश प्रक्रिया से अलग करने पर भी विचार किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार मार्च के तीसरे सप्ताह में इस विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इसमें विभागों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। रिपोर्ट में यह स्पष्ट करना आवश्यक होगा कि संबंधित पाठ्यक्रम में कुल स्वीकृत सीटें कितनी हैं और उनमें से कितनी पर विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। साथ ही कम प्रवेश के कारणों का विस्तृत उल्लेख भी करना अनिवार्य होगा।

पांच साल का ब्योरा मांगा

विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले पांच वर्षों का संपूर्ण ब्योरा मांगा है, जिसमें प्रवेश संख्या और रिक्त सीटों की जानकारी शामिल होगी। विभागाध्यक्षों से यह भी अपेक्षित है कि वे केवल सूची प्रस्तुत न करें, बल्कि सुधार के ठोस सुझाव और भविष्य की कार्ययोजना भी दें। यदि किसी पाठ्यक्रम के स्थान पर नया और अधिक प्रासंगिक पाठ्यक्रम आरंभ किया जा सकता है तो उसका प्रस्ताव भी रिपोर्ट में शामिल किया जाए।

ऑपरेशन सिंदूर पर डोनाल्ड ट्रंप का नया दावा

मैं न होता तो पाकिस्तान के साढ़े 3 करोड़ लोग मारे गए होते

वाशिंगटन (एजेंसी) ● अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध समेत आठ युद्धों को रोकने के अपने दावे को दोहराया। हालांकि, उन्होंने अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को रोककर 3.5 करोड़ लोगों की जान बचाई थी। ट्रंप ने दावा किया कि पाकिस्तानी

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे कहा था कि अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो पिछले साल भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 3.5 करोड़ लोग मारे गए होते। ट्रंप का यह बयान भारत के खिलाफ मई 2025 में चार दिवसीय सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के बैकफुट पर होने का स्पष्ट संकेत देता है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा, 'अपने पहले 10 महीनों में, कंबोडिया और थाईलैंड समेत मैंने आठ युद्ध रुकवाए। ये मजाक नहीं है।

बदलाव बेस्ट ऑफ फाइव के स्थान पर शुरू होगी बेस्ट ऑफ सिक्स, वर्ष 2026-27 की परीक्षा से होगा लागू

10वीं-12वीं की परीक्षा में होगा बदलाव मुख्य परीक्षा अब सात विषयों की देनी होगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दसवीं की परीक्षा में अब सात व बारहवीं की परीक्षा में छह विषयों की परीक्षा देना होगी। दसवीं में बेस्ट ऑफ फाइव समाप्त कर बेस्ट ऑफ सिक्स लागू किया जाएगा। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की पाठ्यचर्या समिति के इस प्रस्ताव को शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है। नया नियम वर्ष 2026-27 की परीक्षा से लागू किया जाएगा।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल को दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में हर साल 16 से 17 लाख परीक्षार्थी शामिल होते हैं। दसवीं की परीक्षा में अभी तक बेस्ट ऑफ फाइव लागू है। यानी विद्यार्थी छह

फाइल फोटो

विषयों की परीक्षा देंगे और जिन पांच विषयों में ज्यादा नंबर होंगे, उस आधार पर रिजल्ट तैयार किया जाएगा। बारहवीं में पांच विषयों की परीक्षा देना होती है। अब माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा परीक्षा में एनएसक्यूएफ (व्यवस्थायिक कोर्स) का प्रश्न-पत्र भी अनिवार्य रूप से जोड़ा जाएगा। यानी अब दसवी में सात विषयों की परीक्षा देनी होगी। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान व एनएसक्यूएफ का प्रश्न-पत्र रहेगा। इसमें सभी विषयों के प्रश्न-पत्र की परीक्षा अनिवार्य रूप से देनी होगी। इसमें जिन छह विषयों में सबसे ज्यादा नंबर होगे, उस आधार पर दसवीं का रिजल्ट तैयार किया जाएगा। बारहवीं में अभी तक पांच विषयों की परीक्षा हो रही है। इसमें भी छठवां विषय एनएसक्यूएफ का जोड़ा जाएगा। इसमें पांच ज्यादा नंबर लाने वाले विषयों के आधार पर रिजल्ट तैयार किया जाएगा। माशिमं की पाठ्यचर्या समिति ने यह प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन से अनुमति मिल गई है। अब इसे वर्ष 2026-27 की परीक्षा में लागू किया जाएगा।

सात साल पहले लागू की गई थी बेस्ट ऑफ फाइव

दसवीं की परीक्षा में सात साल पहले वर्ष 2017 में आधे से अधिक छात्र फेल हो गाए थे। इस संकट से उबरने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बेस्ट ऑफ फछ्व योजना को लागू कर दिया। इसमें परीक्षार्थी सभी छह विषय की परीक्षा में शामिल होंगे, लेकिन सर्वाधिक पांच अंक वाले विषयों के नंबर जोड़कर रिजल्ट घोषित किया जाएगा। खास बात यह कि सबसे कम अंक आने वाले विषय को रिजल्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, गणित व विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को पढ़ना बंद कर दिया। बेस्ट ऑफ कछ्व लागू होने के बाद दसवीं का वर्ष 2018 के बाद रिजल्ट में काफी सुधार आया, लेकिन इसमें देखने में आया कि विद्यार्थियों ने गणित व अंग्रेजी पर ध्यान देना बंद कर दिया। पिछले सालों में दसवीं की गणित व अंग्रेजी में सबसे ज्यादा विद्यार्थी फेल हुए हैं। गणित और अंग्रेजी जैसे प्रमुख विषयों में फेल होने के बाद भी विद्यार्थियों के पांच विषयों में पास होने पर पास की अंकसूची जारी की गई। इसका नतीजा यह निकला कि छात्र आमों में भर्ती के अयोग्य हो गए। इसे देखते हुए माशिमं द्वारा वर्ष 2022 बेस्ट अफ फक्षव को समाप्त करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा, लेकिन इसे अमान्य कर दिया गया था। साल 2023 में मंडल की समिति ने दोबारा प्रस्ताव भेजा, जिसके बाद अगस्त 2023 में स्कूत शिक्षा विभाग ने नवमी-दसवीं में बेस्ट ऑफ फाइल को समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए। बेस्ट ऑफ फाइव को समाप्त करने का आदेश नवमी-दसवीं में वर्ष 2024-25 से लागू किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण हेतु विशेष शिविर आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा सीएम हेल्पलाइन संबंधी शिकायतों के त्वरित और सकारात्मक निराकरण के लिये अनूठी पहल की गई है। इस क्रम में आज मंगलवार को परिवहन विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन्दौर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि शिविर में संबंधित शिकायतकर्ताओं को आमंत्रित कर वन-टू-वन संवाद के माध्यम से कार्यालय से संबंधित शिकायतों जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन (रजिस्ट्रेशन), परमिट तथा वाहनों की नंबर प्लेट आदि से संबंधित कुल 20 शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण किया गया। शिविर सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजेश गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

उप मुख्यमंत्री ने महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का शुभारंभ किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज पिपल्याहाना चौराहा के पास महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और महर्षि डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि उक्त सेंटर उच्च और आधुनिक तकनीक से लैस है, जहां सफेद दाग का संपूर्ण उपचार होने के साथ-साथ पैर के अल्सर घाव का बेहतर तरीके से उपचार होगा। उन्होंने सेंटर के संचालक सफेद दाग विशेषज्ञ डॉ. संजय दुबे और मधुमेह विशेषज्ञ डॉ.अनुपमा दुबे को बधाई देते हुए कहा कि इंदौर के लिये इस तरह की एक सेंटर की आवश्यकता थी। डॉ. दुबे ने बताया कि यह सेंटर रिसर्च के बाद तैयार किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने महर्षि विटीलिगो रिसर्च सेंटर और डायबिटीज एण्ड फुट केयर सेंटर का अवलोकन किया और चिकित्सकों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

जनगणना के लिए इंदौर जिले में व्यापक तैयारियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में आगामी जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में जनगणना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण विभिन्न चरणों में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर शिवम वर्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनगणना कार्य की महत्ता पर प्रकाश डाला। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आंकड़ों के आधार पर शासन की योजनाओं का निर्माण एवं संसाधनों का समुचित वितरण किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें तथा फील्ड में कार्य करते समय पूर्ण सावधानी, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का परिचय दें।

एलिवेटेड कॉरिडोर के बजाय जरूरत-आधारित चौराहा सुधार ही बेहतर विकल्प

एलिवेटेड कॉरिडोर पर फिर उठने लगे सवाल 600 करोड़ खर्च बनाम 19 फीसदी उपयोगिता!

शहर के वरिष्ठ सिविल इंजीनियर ने जारी किया विस्तृत पत्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में प्रस्तावित 6.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। वरिष्ठ सिविल एवं स्ट्रक्चर इंजीनियर अतुल शेठ ने इस संबंध में एक विस्तृत पत्र जारी कर परियोजना की व्यवहारिकता और वास्तविक उपयोगिता पर पुनर्विचार की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पुराने आगरा-मुंबई मार्ग (वर्तमान ए.बी. रोड) पर प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए वर्ष 2018 में लगभग 250 करोड़ रुपए की राशि केंद्रीय सड़क निधि योजना के अंतर्गत घोषित की गई थी। हालांकि, वर्ष 2000 से पूर्व ही इस मार्ग के लिए बायपास का निर्माण हो जाने के बाद यह मार्ग मुख्यत: शहर के आंतरिक आवागमन के लिए उपयोग में है। ऐसे में पूर्ण एलिवेटेड कॉरिडोर की आवश्यकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया गया है।

उपयोगिता पर उठे सवाल-पत्र के अनुसार, प्रस्तावित 6.5 किमी कॉरिडोर के बीच में आठ प्रमुख चौराहे तथा 15 से अधिक आंतरिक मार्ग जुड़े हुए हैं, जिससे प्रारंभिक बिंदु से अंतिम बिंदु तक निरंतर यातायात प्रवाह संभव नहीं है। वर्ष 2024 में कराए गए सर्वेक्षण में इसकी उपयोगिता अत्यंत कम आंकी गई। बताया गया है कि स्थानीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय से कराए गए एक सर्वे में इस कॉरिडोर की उपयोगिता 2 प्रतिशत से भी कम

फाइल फोटो

पाई गई थी। बाद में अतिरिक्त रैंप जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया, किंतु संशोधित स्वरूप में भी उपयोगिता 10 प्रतिशत से अधिक नहीं आंकी गई। हालिया चर्चाओं में तीन चौराहों पर रोटरी शामिल करने के बाद भी इसकी उपयोगिता लगभग 19 प्रतिशत बताई गई है।

असुविधा की आशंका-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2020 में परियोजना की अनुमानित लागत 250 करोड़ रुपये थी, जो संशोधित स्वरूप में 600 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की संभावना है। साथ ही, निर्माण अवधि 5 से 7 वर्ष तक रहने से शहर के प्रमुख मार्ग पर गंभीर यातायात अवरोध और जन-असुविधा की आशंका जताई गई है। भूमिगत जलापूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज तथा अन्य उपयोगिता लाइनों के स्थानांतरण के संबंध में विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन एवं समुचित आकलन उपलब्ध नहीं होने की बात भी कही गई है, जिससे लागत और समय-सीमा में और वृद्धि की संभावना व्यक्त की गई है।

'चौराहा-आधारित सुधार अधिक कारगर'

पत्र में सुझाव दिया गया है कि पूर्ण एलिवेटेड कॉरिडोर के स्थान पर आवश्यकता-आधारित चौराहा सुधार एवं पृथक निर्माण कार्य अधिक व्यवहारिक और किफायती विकल्प हो सकता है। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कराए गए सर्वे में चरणबद्ध चौराहा सुधार से 42 प्रतिशत से अधिक उपयोगिता प्राप्त होने की संभावना जताई गई है। इंजीनियर अतुल शेठ ने मांग की है कि परियोजना की व्यवहारिकता और वास्तविक उपयोगिता का स्वतंत्र तकनीकी समिति द्वारा समयबद्ध परीक्षण कराया जाए। इसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए, ताकि केंद्र सरकार के संसाधनों और जनता के धन का समुचित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने शहर की जनता की सुविधा और राष्ट्रीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए व्यापक जन-जागरूकता और पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया की आवश्यकता भी रेखांकित की है।

शुद्ध होली सुरक्षित इंदौर अभियान

विभिन्न क्षेत्रों में की गई खाद्य पदार्थों की जाँच, नमूने लिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए दिशा निर्देशानुसार इंदौर जिले में मिलावटखोरी के विरुद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में होली त्यौहार के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा तीन दल गठित कर सतत एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को विभिन्न स्थलों पर दलों द्वारा नमूना कार्यवाही की गई।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन के दल द्वारा द्वारकापुरी इंदौर स्थित भैरूनाथ महिला गृह उद्योग का औचक निरीक्षण किया गया। मौके पर महेंद्र सिसोदिया प्रतिष्ठान का संचालन करते हुए पाए गए। मौके पर नमकीन पारा, भाकर बड़ी, मठरी, जीरा सलोनी, मैदा फली आदि का निर्माण किया जाना पाया गया। परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। मौके से खाद्य पदार्थों के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी तरह एक अन्य कार्यवाही में रामजी डेरी मेन रोड नवलखा से घी, मावा और पनीर के कुल 03 नमूने लिए गए। श्रीलीला रेस्टोरेंट से पनीर, दही और राइस के 03 नमूने लिए गए तथा साफ-सफाई में सुधार हेतु निर्देश दिए गए। इसके अलावा जाँच दल द्वारा जैन श्री स्वीट्स नन्दलालपुरा से बर्फी, दूध कतली और सेव के 02 नमूने लिये। लिए गए सभी नमूनों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा मिलावट करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत कार्यवाहियाँ की जा रही है। उक्त कार्यवाहियों के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विगत 03 माह में 320 नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गये। विभाग को विगत 03 माह में कुल 209 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिनमें 18 नमूने अमानक पाये गये। जिनमें मुस्कान डेयरी नमकीन एण्ड स्वीट्स छोटा बांगडदा मेनरोड से लिया गया पनीर का नमूना अमानक, माधव के नमकीन सुपर सिटी सिंगापुर टाउनशिप से लिया गया मावा का नमूना अमानक, माँ कृपा दूध डेयरी श्री कृष्णा नगर मूसाखेड़ी से लिया गया पनीर का नमूना अमानक, जय श्री मर्चेन्ट्स जवाहर मार्ग वेयर हाउस रोड से सौंफ के दोनो नमूने अमानक, श्री सांवरिया डेयरी तुलसी नगर निपानिया से लिया गया मलाई बर्फी का नमूना मिथ्याछाप, नाकोड़ा नमकीन एण्ड स्नेक्स प्रा.लि. धार रोड से लिया गया।

एमआरपी से अधिक मूल्य पर बिक रहे सिगरेट के पैकेट

सरकार का टैक्स 1अप्रैल से लागू होगा लेकिन एजेंसी होल्डरो ने अभी से मचाई धूम

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

सरकार ने सिगरेट तंबाकू से बने उत्पाद पर टैक्स में बढ़ोतरी की है जो लागू 1 अप्रैल 2026 से होगा लेकिन जैसे ही जानकारी सिगरेट और तंबाकू कारोबारीयो को लगी उन्होंने बाजार में धूम मचा दि अभी से ही एमआरपी से अधिक मूल्य पर सिगरेट बेचने का काम जोरों पर चल रहा है। कहीं दुकानदारों ने पुराने भाव का माल जबरदस्त स्टॉक कर रखा है लेकिन बाजार में एजेंसी होल्डर से लेकर होलसेलर दुकानदार तक माल एमआरपी से अधिक मूल्य पर दिया जा रहा है, जिसके कारण होलसेल दुकानदार भी परेशान है सिगरेट के भाव पैकेट पर जो लिखे हुए हैं उससे अधिक भाव में दुकानदारों को सिगरेट का माल बेचना पड़ रहा है। गोल्ड फ्लैक सिगरेट पर एमआरपी 95 रुपए हैं लेकिन दुकानदार 110 रुपए में बेच रहे हैं यही हालत बिस्टल,लिबटी, फ्लैक बटन,पान बटन सिगरेटों का है सिगरेट के

दामों का खेल एजेंसी होल्डर ने बिगड़ रखा है क्योंकि एजेंसी होल्डर होलसेलर दुकानदारों को ऊंचे दामों में सिगरेट सप्लाई करते है इसी वजह से रिटेल दुकानदार भी सिगरेट के दाम बढ़ाकर बेच रहे हैं। आखिर एजेंसी होल्डरों पर सरकार कब कार्यवाही करेगी या फिर एजेंसी होल्डर चोरी छुपे उचित मूल्य पर माल खपाने में लगे हैं जितना बटोर सको उतना बटोर लो इससे खुलेआम ग्राहकों की जेब पर डाका डाला जा रहा है यह सिर्फ नशे का कारोबार नहीं बल्कि गरीब जनता की जेब काटने का संगठन मुनाफाखोरी नेटवर्क है जिसमें एजेंसी चालक बड़े सप्लायर शामिल हैं एमआरपी से अधिक मूल्य वसूलना कानूनी अपराध है लेकिन इंदौर जिले में ओवरेट बिक्री धड़ल्ले की जा रही ग्रामीण इलाकों से लेकर शहर तक इसका नेटवर्क फैला हुआ है।

जानलेवा जहर का करोड़ों का कारोबार चिकित्सकों के अनुसार सिगरेट तंबाकू से गंभीर बीमारियां होती हैं जैसे कैंसर टीवी दिल और पेट की गंभीर बीमारियों के प्रमुख वजह है इसके बावजूद भी हर दिन करोड़ों रुपए का कारोबार चल रहा है युवा मजदूर किसान सबसे ज्यादा इसका शिकार है।

प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े हुए सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एमआरपी से अधिक मूल्य पर बिक्री अपराध है तो संबंधित अधिकारी और जिम्मेदार विभाग क्यों आंखें बंद कर बैठा है आखिर क्यों एजेंसी होल्डर पर अब तक कार्यवाही विभाग नहीं कर पाया। अब देखना होगा प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है या फिर आंखेंबंद कर तमाशा देखते रहेंगे।

बिजली टैरिफ 2026-27 को लेकर सुनवाई में 14 आपत्तियां आईं

कंपनियां अनावश्यक खर्च बंद कर दें तो बिजली 15% तक होगी सस्ती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर/भोपाल ● प्रदेश में बिजली दरों में प्रस्तावित बढ़ोतरी को लेकर असंतोष तेज हो गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिजली कंपनियों द्वारा 10.20 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि के प्रस्ताव पर मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने जनसुनवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मंगलवार को हुई पहली सुनवाई में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से जुड़े उपभोक्ताओं, विशेषज्ञों और औद्योगिक प्रतिनिधियों की आपत्तियां सुनी गई। कुल 14 आपत्तियां दर्ज हुई, जिनमें से 10 आवेदकों ने अपना पक्ष रखा और तीन लोगों ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आयोग के समक्ष तर्क प्रस्तुत किए।

सुनवाई में सबसे प्रमुख आपत्ति एमपी जेनको के सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेंद्र अग्रवाल ने दर्ज कराई। उन्होंने आयोग को बताया कि बिजली कंपनियां यदि अपने अनावश्यक और अनियंत्रित खर्चों पर अंकुश लगाएं तो उपभोक्ताओं पर दर वृद्धि का बोझ डालने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उनके अनुसार वित्तीय प्रबंधन में सुधार और खर्चों की युक्तिसंगत समीक्षा से बिजली दरों में 10.20 प्रतिशत वृद्धि की बजाय है। उन्होंने यह भी कहा कि हर वर्ष टैरिफ बढ़ाने की प्रवृत्ति कंपनियों की कार्यप्रणाली की कमजोरी को दर्शाती है।

सोलर उपभोक्ताओं से फिक्स चार्ज वसूली का विरोध-अन्य याचिकाकर्ताओं ने रूफटॉप सोलर प्लांट उपभोक्ताओं से फिक्स चार्ज के नाम पर हो रही वसूली का भी विरोध किया है।

स्मार्ट मीटर के नाम पर 820 करोड़ की वसूली औचित्यहीन-अग्रवाल ने स्मार्ट मीटर परियोजना पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि स्मार्ट मीटर के नाम पर लगभग 820 करोड़ रुपये की वसूली का प्रस्ताव अनुचित है। उपभोक्ताओं से केवल रखरखाव और संचालन की वास्तविक लागत ही ली जानी चाहिए, न कि परियोजना निवेश का पूरा भार। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा की उपलब्धता के आंकड़ों पर सवाल उठाए।

6,044 करोड़ घाटे की भरपाई की तैयारी-बिजली कंपनियों ने अपने प्रस्ताव में कुल 6,044 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे की भरपाई के लिए दर वृद्धि की आवश्यकता बताई है। हालांकि इस घाटे में से 3,451 करोड़ रुपये पूर्व वर्षों से संबंधित बताए गए हैं।

औद्योगिक संगठनों ने टैरिफ का किया विरोध

औद्योगिक संगठनों ने भी प्रस्तावित टैरिफ वृद्धि का विरोध किया। ओरिएंटल पेपर मिल अमलई, जेके सीमेंट पन्ना, प्रिज्म सीमेंट सतना और रमणीक पॉवर बालाघाट के प्रतिनिधियों ने बताया कि बिजली खपत की गणना किलोवॉट के बजाय किलोवोल्ट एम्पीयर के आधार पर करने से उद्योगों पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। औद्योगिक प्रतिनिधियों ने यह भी दावा किया कि याचिका में औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए 5 प्रतिशत वृद्धि का उल्लेख है, जबकि वास्तविक प्रभाव 13.26 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। उन्होंने पॉवर फैक्टर पर मिलने वाली 7 प्रतिशत तक की प्रोत्साहन राशि समाप्त करने के प्रस्ताव का भी विरोध किया।

इंदौर आगमन पर उपेंद्र राय का स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्टेट प्रेस क्लब, मध्य प्रदेश ने इंदौर आगमन पर वरिष्ठ पत्रकार और भारत एक्सप्रेस ग्रुप के सीएमडी उपेंद्र राय का स्वागत किया। इस अवसर पर राय ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की राजधानी और देश के स्वच्छ शहर इंदौर में आना उन्हें सदा से प्रिय रहा है। इस अवसर पर स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने राय को देवी अहिल्या बाई के चित्र का स्मृति चिन्ह एवं क्लब की एआई पर केंद्रित स्मारिका भेंट की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुदेश तिवारी विशेष रूप से मौजूद थे।

1,000 रुपये से कम बैलेंस वाले 6 लाख पीएफ खातों का पैसा सीधे बैंक में भेजने की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रम मंत्रालय ने हाल ही में एक बहुत बड़ा और राहत देने वाला फैसला लिया है, जो लाखों लोगों के लिए अच्छी खबर है. यह फैसला ईपीएफओ से जुड़ा है, जहां कई सालों से पड़े इनऑपरेटिव अकाउंट्स में छोटी-छोटी रकम फंसी हुई है, अब सरकार इसपर बड़े फैसले ले रही है। सरकार के सूत्रों के मुताबिक श्रम मंत्रालय ने फैसला किया है कि जिन निष्क्रिय में 1000 रुपये या उससे कम बैलेंस है, उनमें से पैसा बिना किसी आवेदन या कागजी कार्रवाई के खुद-ब-खुद सदस्यों के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। यानी सदस्यों को कुछ भी करने की जरूरत नहीं, ईपीएफओ अपने आप ही यह काम करेगा।

इंदौर नगर निगम ने चलाया अनोखा अभियान

राजवाड़ा पर ढोल बजाकर चस्पा की 57 बड़े बकायादारों की सूची

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के सबसे व्यस्त और ऐतिहासिक स्थल राजवाड़ा पर मंगलवार को एक अलग ही नजारा देखने को मिला। नगर निगम की टीम ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंची और लोगों की मौजूदगी में 57 बड़े बकायादारों की सूची चस्पा कर दी। ढोल की थाप के बीच लगाए गए पोस्टर ने राहगीरों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। पोस्टर में बकायादारों के नाम के साथ उन पर बकाया राशि का पूरा विवरण

भी दर्ज है। निगम का यह कदम बकाया वसूली को लेकर सख्त संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। जोन-3 के एआरओ अनिल निकम ने बताया कि इससे पहले भी लोक अदालत के दौरान वार्ड 56, 57 और 58 के बड़े बकायादारों की सूची सार्वजनिक की गई थी, जिसका सकारात्मक असर हुआ था।

पिछली लोक अदालत में 100 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व प्राप्त हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक सूची में शामिल लोगों को कई बार नोटिस और समझाइश दी गई, लेकिन राशि जमा नहीं की गई। ऐसे में अब उनके नाम सार्वजनिक कर राजवाड़ा और जोनल कार्यालयों पर चस्पा किए गए हैं, ताकि अन्य बकायादार भी समय रहते भुगतान कर दें। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि 14 मार्च को आयोजित लोक अदालत में पहुंचकर अपनी बकाया राशि जमा करें और सरचार्ज में मिलने वाली छूट का लाभउठाएं। वर्तमान सूची में 57 लोगों के नाम हैं, जिन पर लगभग 2 करोड़ रुपए बकाया हैं। नगर निगम के इस सार्वजनिक कदम ने साफ संकेत दे दिया है कि अब बकाया वसूली में सख्ती बरती जाएगी।

जागरूकता और साहस, सुरक्षा की सबसे बड़ी शक्ति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जागरूकता और साहस के माध्यम से ही महिला सुरक्षित रह सकती है। बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे। यह बात एडिशनल एसपी महिला अपराध सुश्री संध्या राय ने कस्टमर ग्राम राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट एवं कस्तूरबा रूरल ट्रस्ट तेजाजी नगर में शोषण मुक्त समाज बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत विधिक सेवा प्राधिकरण और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यशाला में कहीं। साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर सब इंस्पेक्टर शिवम ठक्कर में इंटरनेट पर निजी फोटो व व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचने की सलाह दी। जिले में बलवर रोकथाम को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे हैं अभियान के दौरान संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग की 100 दिवसीय कार्ययोजना को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा, विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रधान जिला न्यायाधीश अजय श्रीवास्तव एवं सचिव न्यायाधीश शिवराज सिंह गवली के मार्गदर्शन में जिले में स्कूल कॉलेज सेवा प्रदाताओं पंचायत एवं वार्ड स्तर पर समुदाय के साथ कार्यशाला का आयोजन कर जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 25 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

अग्रवाल समाज के निशुल्क अ.भा. परिचय सम्मेलन की तैयारियां जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ब्रह्मलीन समाजसेवी मिश्रीलाल गोयल की पुण्य स्मृति में 28 से 30 मार्च तक गांधी हॉल परिसर में होने वाले अभा युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए देश के हिंदी भाषी राज्यों से प्रत्याशियों की प्रविष्ठियां आने का सिलसिला शुरू हो गया है। अब तक करीब 300 प्रविष्ठियां मिल चुकी हैं, जिनमें अधिकांश इंजीनियर, डॉक्टर, सीए, एमसीए, एमबीए, सॉफ्टवेर इंजीनियर एवं स्वयं के कारोबार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं। अग्रवाल महासभा की मेजबानी में होने वाले इस परिचय सम्मलेन में पिछले 2 वर्षों से लगातार 2 हजार से अधिक प्रविष्ठियां मिल रही हैं। इस वर्ष भी देश के करीब 100 बड़े शहरों में प्रविष्ठी पत्र भेजे गए हैं, जो अब प्रत्याशियों और पालकों के उत्साह के कारण तेजी से जमा होने लगे हैं। महासभा के समन्वयक संतोष गोयल, अध्यक्ष डॉ. सतीश गोयल, उपाध्यक्ष मनीष जैन एवं महामंत्री अजय बंसल ने बताया कि अब तक जो 300 प्रविष्ठियां प्राप्त हुई हैं, उनमें अधिकांश प्रत्याशी उच्च शिक्षित, आकर्षक पैकेज पर एमएनसी में कार्यरत अथवा स्वयं के कारोबार में स्थापित हैं। उम्मीद है कि इस परिचय सम्मेलन के लिए भी 2 हजार से अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त होंगी। सम्मेलन में आने वाले प्रत्याशियों के सचित्र परिचय बहुरंगी परिचय पुस्तिका में प्रकाशन की तैयारियां भी शुरू हो गई है।

संत गाडगे बाबा की 150 वीं जयंती मनाई, हुई महाआरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर नगर धोबी संघ ने सामाजिक समरसता, स्वच्छता और मानव सेवा का संदेश देने वाले संत गाडगे बाबा की 150 वीं जयंती मोती तबेला स्थित संत गाडगे बाबा धर्मशाला में मनाई, महाआरती की गई। नगर धोबी संघ की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बड़े व कार्यकारी अध्यक्ष अनिल बारिया ने बताया कि जयंती के अवसर पर समाजजनों ने संत गाडगे बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, महाआरती की गई। भजन कीर्तन हुए। बड़ी संख्या में समाजजन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष अनिल बारिया ,कोषाध्यक्ष प्रकाश सिंगोदिया शिवलाल लश्करी दिनेश चौहान, नवीन वर्मा,ईश्वर चौहान कृष्णगोपाल मालवीय राजेंद्र वर्मा ऋषभ बंजारा विनोद सोलंकी, सार्थक परमार अतुल आर्य यशवंत लश्करी सतीश मालवीय शुभम सोलंकी मनोज रुणिजा आदि उपस्थित रहे।

अंडरग्राउंड-मेट्रो की तैयारी तेज, अप्रैल-मई में होगी सुरंग की खुदाई

एयरपोर्ट-निगम क्षेत्र में बनेगा शाफ्ट, 40 मीटर नीचे दौड़ेगी मेट्रो

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी एसकृष्ण चैतन्य ने इंदौर मेट्रो परियोजना के कार्यों का निरीक्षण भी किया है। शहर में मेट्रो परियोजना का सबसे अहम चरण शुरू होने जा रहा है। एलिवेटेड ट्रैक के बाद अब अंडरग्राउंड कॉरिडोर के लिए जमीन तैयार की जा रही है। एयरपोर्ट और नगर निगम क्षेत्र में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) उतारने की तैयारी चल रही है। संभावना है कि अप्रैल या मई में सुरंग खुदाई का काम शुरू हो जाएगा।

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) के सूत्रों के अनुसार, दो स्थानों पर 24 घंटे काम जारी है। एयरपोर्ट क्षेत्र और नगर निगम के पास स्थित शासकीय स्कूल परिसर में खुदाई कर टीबीएम को जमीन के भीतर उतारने के लिए शाफ्ट तैयार किए जा रहे हैं। शहर में दो टनल बोरिंग मशीनों का उपयोग किया जाएगा। एक मशीन एयरपोर्ट से बड़ा गणपति की दिशा में सुरंग बनाएगी, जबकि दूसरी मशीन नगर निगम क्षेत्र से बड़ा गणपति की ओर खुदाई करेगी। इन मशीनों की मदद से जमीन के लगभग 40 मीटर नीचे सुरंग तैयार की जाएगी।

10 किलोमीटर तक अंडरग्राउंड ट्रैक

एमपीएमआरसीएल ने टाटा समूह और उसकी सहयोगी कंपनी को हाईकोर्ट से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड मेट्रो निर्माण का करीब 2290 करोड़ रुपए का ठेका दिया है। वहीं बंगाली चौराहा से हाईकोर्ट तक मेट्रो को अंडरग्राउंड बनाने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए नई टेंडर प्रक्रिया जारी है और जमीन का सर्वे किया जा रहा है।फिलहाल एयरपोर्ट से बंगाली चौराहे तक एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण चल रहा है, जबकि इसके आगे का हिस्सा भूमिगत होगा। अधिकारियों का कहना है कि आगामी समय में इंदौर में करीब 10 किलोमीटर लंबा अंडरग्राउंड ट्रैक तैयार होगा। अप्रैल या मई में टीबीएम आने के साथ ही सुरंग निर्माण का कार्य औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा, जिससे शहर की मेट्रो परियोजना नई गति पकड़ेगी।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा की हुई शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व ब्राह्मण संघ द्वारा ऊषा नगर स्थित उषा राजे परिसर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा की शुरुआत मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई,जिसमे सैकड़ों मातृशक्ति सिर पर श्रद्धा के कलश लेकर शोभायात्रा में निकली। राधे राधे के जयकारों से पूरा यात्रा मार्ग गुंजायमान हो उठा। आयोजन प्रमुख श्रीमती जया मिलिंद तिवारी और संयोजक योगेंद्र महंत ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा के पहले कलश यात्रा की शुरुआत वेद मंत्रो के बीच पूजन अर्चन करके श्री रणजीत हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई। यात्रा में सैकड़ो मातृशक्ति सिर पर श्रद्धा के कलश लेकर शोभायात्रा में निकली, भजनों में महिलाएं नाचते गाते हुए चल रही थी, यजमान पुराण लेकर आगे आगे चल रहे थे, ढोल ताशे, बैंड बाजे शंखनाद करते युवाओं दल देखते ही बन रहा था, यात्रा में बग्गी पर कथा वाचक पंडित नीरज कृष्ण नयन महाराज सवार थे। यात्रा का जगह-जगह विभिन्न मंचों से गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया गया। यात्रा रणजीत हनुमान मंदिर से शुरु होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए कथा स्थल उषा नगर स्थित उषा राजे परिसर पहुंची।

मधुमेह एवं मोटापे से मुक्ति के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 28 फरवरी से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मधुमेह एवं मोटापे जैसे रोगों से मुक्ति एवं राहत दिलाने के उद्देश्य से बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन, अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती नीना देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में चलाए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत दूसरा शिविर 28 फरवरी एवं 1 मार्च को स्नेह नगर स्थित अग्रसेन भवन पर सुबह 8 बजे से आयोजित होगा। शिविर की तैयारियों को लेकर मंगलवार को अग्रसेन भवन पर शहर एवं पूर्वी तथा मध्य क्षेत्र के प्रमुख अग्रवाल संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक में निश्चय किया गया कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए चलाए जा रहे इस अभियान का लाभ लेने के लिए समाज के ज्यादा से ज्यादा बंधुओं को प्रेरित कर शिविर में लाया जाए, ताकि समय रहते उन्हें समुचित चिकित्सा एवं परामर्श का निशुल्क लाभ मिल सके।

बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख विनोद अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल के मार्गदर्शन में पहला शिविर गत 21-22 फरवरी

को अन्नपूर्णा आश्रम पर आयोजित किया गया, जिसमें पहले दिन 540 और दूसरे दिन करीब 600 लोगों की 32 तरह की निशुल्क जांचे की गई। इन जांचों के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया कि समाज के बंधुओं को किस तरह समय रहते समुचित चिकित्सा एवं परामर्श सुविधा उपलब्ध कराई जाए। पहले शिविर में मिले नतीजो के बाद अब 28 फरवरी एवं 1 मार्च को अग्रसेन भवन में दूसरा शिविर सुबह 8 बजे से आयोजित होगा। इस शिविर की तैयारियों के लिए मंगलवार को हुई बैठक में शिविर संयोजक किशोर गोयल, अरविन्द वेल्यूअर, शीतल तोड़ीवाला एवं शरद कदम ने अग्रवाल नगर एवं पूर्वी-मध्य क्षेत्र के आसपास के अग्रवाल संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उन्हें इस शिविर के लाभ एवं दूरगामी परिणाम बताए और उनसे आग्रह किया।

90 गांवों के किसान कलेक्ट्रेट पर डालेंगे डेरा:ग्रीन फील्ड रोड के विरोध में किसानों का हल्लाबोल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में प्रस्तावित 7 हजार करोड़ रुपये के दो ग्रीन फील्ड रोड (उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-जावरा) के विरोध में बुधवार को तीन जिलों के किसान बड़ा आंदोलन करेंगे। 90 प्रभावित गांवों के ग्रामीण 180 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ उज्जैन कलेक्ट्रेट का घेराव करने पहुंचेंगे। किसान अपने साथ राशन और बिस्तर भी ला रहे हैं और मांगें पूरी न होने तक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की तैयारी में हैं। यह पहला मौका है जब दोनों प्रोजेक्ट के प्रभावित किसान एक साथ मैदान में उतरे हैं। किसानों का मुख्य विरोध 'एक्सिस कंट्रोल' प्लान को लेकर है, जिसके तहत सड़क जमीन से 15-20 फीट ऊंचाई पर बनेगी और गांवों को इससे कनेक्टिविटी नहीं मिलेगी। किसानों का तर्क है कि जिस सड़क पर वे अपने वाहन नहीं चला सकते, उसके लिए जमीन क्यों दें? किसान नेता राजेश सोलंकी के अनुसार, उनकी दो प्रमुख मांगें हैं: पहली, ग्रीन फील्ड को सामान्य हाईवे की तरह जमीन पर बनाया जाए और दूसरी, मुआवजे का निर्धारण बाजार मूल्य पर हो। उज्जैन के 56, इंदौर के 20 और रतलाम के 13 गांव इस प्रोजेक्ट से सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

स्काउट आंदोलन कर्तव्य, सेवा और अनुशासन का जीवंत उत्सव, वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्काउट आन्दोलन के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी ओलेव वेडन के जन्मदिवस पर जाल सभागृह में स्काउट रामदास केदारमल सुकृत न्यास द्वरा स्काउट आंदोलन को जन-जन तक पहुँचाने वाले वरिष्ठजनों का सम्मान कर उन्हें श्रद्धानिधि एवं प्रशस्तिपत्र भेंटकर अलंकृत किया गया। इस मौके पर स्काउट दलों के लिए तैयार की गई प्रशिक्षण सामग्री का भी लोकार्पण किया गया। प्रारंभ में ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदास गोयल, भगवान अग्रवाल एवं मोहनलाल गोयल ने वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ स्काॅउट मूवमेंट के एशिया पेसिफिक सपोर्ट सेंटर के डायरेक्टर एस. प्रसन्ना श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल के सेंट मोंट फोर्ड विद्यालय की एल.टी. गाइड श्रीमती आशा सिंह एवं बैतूल में पिछले 50 वर्षों से स्काउट आंदोलन की ध्वजा फहरा रहे वरिष्ठ स्काउटर श्रवण कुमार दवंडे का शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मान किया। श्रीमती सिंह एवं दवंडे को ट्रस्ट की ओर से 21-21 हजार की श्रद्धानिधि भी भेंट की गई। कार्यक्रम में स्काउट दलों के लिए तैयार की गई प्रशिक्षण सामग्री का अनावरण भी किया गया।

धरावरा धाम पर चल रहे मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ में भजनों पर थिरक रहे सैकड़ों श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भक्ति किसी भी रूप में हो, उसका प्रतिफल अवश्य मिलता है। विडम्बना है कि हमें वृद्धावस्था में ही भक्ति का जुनून चढ़ता है। यदि बाल्यकाल से ही भक्ति के संस्कार मिलें, तो वृद्धावस्था संवर जाती है। घर में वृद्ध और खेत की मेढ पर वृक्ष हों तो हमारी खुशहाली हमेशा बनी रहेगी। वृद्ध और वृक्ष हर तरह से हमें संरक्षण प्रदान करते हैं। भक्ति में निष्काम भाव होना चाहिए। भक्ति में पाखंड या प्रदर्शन ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकता। ये दिव्य विचार हैं मालवा के प्रख्यात भागवत मर्मज्ञ आचार्य पं. ब्रजकिशोर नागर के, जो उन्होंने मंगलवार को धार रोड स्थित धरावरा धाम आश्रम पर महंत शुकदेव दास महाराज के सानिध्य में चल रहे मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। व्यास पीठ का पूजन मुख्य यजमान नानूराम चौधरी के साथ ललित अग्रवाल, डॉ. सुरेश चोपड़ा, विष्णु चौधरी, मुकेश जैन, हर्ष अग्रवाल, विजय सिंह राणा, सीताराम नरेडी, देवेन्द्र सांखला आदि ने किया। मातृशक्ति की ओर से श्रीमती रेखा श्रीकांत शर्मा ने भागवत ग्रन्थ का पूजन किया। कथा में आज भी मनोहारी भजन कीर्तन पर सैकड़ों श्रद्धालु थिरकते रहे। कथा में बुधवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

सिंहस्थ से पहले अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, नृसिंह घाट से लालपुल मार्ग पर पक्के निर्माण हटाए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत नगर निगम ने बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। निगम अमले ने पुलिस बल के साथ नृसिंह घाट से लालपुल ब्रिज मार्ग तक 2016 के बाद बने पक्के निर्माणों को हटाया। यह कार्रवाई जोन क्रमांक 03 क्षेत्र में की गई। प्रशासन ने बताया कि सिंहस्थ मेले के दौरान साधु-संतों के डेरों, टेंट और श्रद्धालुओं की पार्किंग के लिए खुली जगह आवश्यक होती है। इसी उद्देश्य से सिंहस्थ क्षेत्र में बने अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं। नगर निगम द्वारा संबंधित निर्माणकर्ताओं को पहले ही नोटिस जारी कर समझाइश दी गई थी। निर्धारित समय के बाद भी निर्माण नहीं हटाए जाने पर प्रशासन ने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान नरसिंह घाट रोड पर स्थित करीब 60म80 फीट के माधवानंद आश्रम और लगभग 80म150 फीट की कलोता समाज की धर्मशाला के निर्माण हटाए गए। अन्य चिन्हित स्थानों

पर भी कार्रवाई जारी है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र में 2016 के बाद बने सभी स्थायी स्ट्रक्चर चिन्हित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ क्षेत्र में स्थायी निर्माण की अनुमति नहीं है और सभी अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। मौके पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। अपर आयुक्त संतोष टैगोर सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। प्रशासन ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

खाटू श्याम मंदिर पर रंगभरी एकादशी पर होगा भव्य श्रृंगार एवं भजन संध्या

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● साजन नगर नवलखा स्थित खाटू श्याम नर्मदेश्वर शिव मंदिर पर रंगभरी ग्यारस, 27 मार्च को शाम 6 बजे से रंगारंग फाग महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर समिति के प्रमुख सुरेश रामपीपल्या एवं साजन नगर रहवासी संघ के अध्यक्ष सुजीत शर्मा ने बताया कि समाजसेवी विष्णु बिंदल, अरविन्द बागड़ी एवं राजेश बंसल के मार्गदर्शन में इस मौके पर भजन गायक सुनील शर्मा एवं उनके साथी मनोहारी भजनों की प्रस्तुतियां भी देंगे। मंदिर पर एकादशी के उपलक्ष्य में श्याम बाबा का भव्य एवं मनोहारी श्रृंगार कर 56 भोग भी समर्पित किए जाएँगे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

क्या डिजिटल दुनिया और बढ़ता दबाव बच्चों को हिंसक बना रहा है?

संवाद की कमी और डिजिटल हिंसा बच्चों को अपनों का ही कातिल बना रही है। रिश्तों के बीच बढ़ता दबाव और घटती संवेदनाएं समाज के लिए चेतावनी हैं। आधुनिक दौर में जीवन की आपाधापी के बीच हर जगह प्रतिस्पर्धा, निजी स्वार्थ और व्यक्तिगत आजादी की चाह में पारिवारिक मूल्य का महत्त्व कम होता जा रहा है। बच्चों और अभिभावकों के बीच समझ एवं सम्मान तथा स्नेह और सम्मान की भावना से जुड़े धागे कमजोर पड़ने लगे हैं। कई बार तो हालात ऐसे हो जाते हैं कि औलाद अपने माता-पिता को ही दुश्मन मान बैठती है और उनकी जान तक लेने को तैयार हो जाती है। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के आशियाना इलाके में एक ऐसी ही दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके शव को टुकड़ों में काटकर एक हिस्से को ड्रम में छिपा दिया। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, मगर सवाल है कि किसी सामान्य परिवार के बच्चे में इस तरह की आपराधिक मानसिकता आ कहां से रही है? क्या वजह है कि जिस समस्या को संवाद के जरिए आसानी से सुलझाया जा सकता है, वह इतनी जटिल हो जाती है कि संवेदनाएं सुन्न पड़ जाती हैं और आक्रामकता रिश्तों का भी खून कर देती है। इसमें दोराय नहीं कि आज बच्चों की परवरिश पर परिवार के अलावा डिजिटल जगत का प्रभाव भी साफ देखा जा रहा है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की सुलभ उपलब्धता से बच्चों की ऐसी सामग्री तक पहुंच आसान हो गई है, जो उनके कोमल मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि हिंसा और अपराध से जुड़ी सामग्री बार-बार देखने-सुनने से बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना स्वाभाविक है। लखनऊ में हुई वारदात में प्रारंभिक जांच-पड़ताल के आधार पर पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी का पिता उसे मेडिकल प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होने का दबाव बना रहा था। इसको लेकर कई बार पिता-पुत्र की आपस में बहसबाजी भी हुई थी। यह बात सही है कि माता-पिता को बच्चों पर अनावश्यक दबाव नहीं बनाना चाहिए, लेकिन वे अगर किसी बात पर जोर दे रहे हैं, तो उसके पीछे बच्चे की भलाई की इच्छा ही होती है। असहमति एक स्थिति हो सकती है, लेकिन देश और समाज को इस पर संजीदगी से विचार करने की जरूरत है कि बच्चों के भीतर ऐसी प्रवृत्ति कहां से आ रही है कि वे संवाद करने के बजाय हिंसक हो रहे हैं। हरियाणा के रोहतक जिले में पिछले साल बास्केटबाल का खंभा गिरने से एक युवा राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौत ने शासकीय लापरवाही और भ्रष्टाचार की कई परतें भी खोल दी थीं।

राष्ट्र सुरक्षा का नवदर्शनःअब प्रतिक्रिया नहीं, पूर्वप्रहार

भारत ने 23 फरवरी 2026 को अपनी पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति 'प्रहार' (PRAHAAR) के शुभारंभ के साथ सुरक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम उठाया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आठ पृष्ठों वाले इस नीति दस्तावेज में केवल दशकों से चले आ रहे आतंकवाद विरोधी प्रयासों का औपचारिकीकरण नहीं किया गया है, बल्कि भविष्य में उभरते खतरों—जैसे साइबर हमले, ड्रोन का दुरुपयोग, क्रिप्टोकरेंसी के जरिए वित्त पोषण, और डार्क वेब पर रेडिकलाइजेशन—से निपटने के लिए ठोस और निर्णायक रणनीतियाँ भी प्रस्तुत की गई हैं। नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आतंकवाद का न तो कोई धर्म है, न कोई जाति, न कोई राष्ट्रीयता और न ही कोई सभ्यता। यह एक कृत्य है, जिसे किसी भी वैचारिक या धार्मिक औचित्य के साथ सही नहीं ठहराया जा सकता। केंद्र सरकार की यह नीति सामाजिक सद्भाव को बनाये रखते हुए सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली दूरदर्शिता का प्रतीक है। 'प्रहार' शब्द का चयन स्वयं सरकार की अडिग इच्छाशक्ति और सक्रिय रणनीति की अभिव्यक्ति है। यह नीति केवल रक्षात्मक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रोएक्टिव और खुफिया-आधारित अभियान संचालित करने की दिशा में स्पष्ट संकेत देती है। यह नीति सात अडिग स्तंभों की उस संगठित शक्ति पर खड़ी है, जिन्हें 'प्रहार' के अक्षरों में इस तरह संहिताबद्ध किया गया है कि हर अक्षर स्वयं एक रणनीतिक संकल्प बन जाता है।

इनमें पहला है प्रिवेंशन-आतंकवादी हमलों की पूर्वानुमानित रोकथाम, जो पूरी तरह से खुफ़िया जानकारी और विश्लेषण पर आधारित होगी। दूसरा स्तंभ है रिस्पॉन्स-तेज़, संतुलित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की क्षमता। तीसरा स्तंभ है एग्रीगेटिंग कैपेसिटीज़-सरकारी आंतरिक क्षमताओं का समन्वय और एकीकृत उपयोग। चौथा है ह्यूमन राइट्स और रूल ऑफ़ लॉ-सभी ऑपरेशंस में मानवाधिकारों और कानूनी ढांचे का कड़ाई से पालन।

पांचवां स्तंभ है अटेन्यूएटिंग कंडीशन्स-वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ जिन्हें कम करके रेडिकलाइजेशन और आतंकवाद के बीजारोपण को रोका जा सके। छठा स्तंभ है अलाइनिंग इंटरनेशनल एफर्ट्स—वैश्विक सहयोग और साझेदारी के माध्यम से आतंकवादियों को वित्तीय संसाधनों, हथियारों की आपूर्ति और सुरक्षित पनाहगाहों से वंचित करना। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वित कार्रवाई और कूटनीतिक सक्रियता का स्पष्ट संकेत देता है। सातवां स्तंभ है रिकवरी और रिज़िलियंस—आतंकवादी घटनाओं से प्रभावित पीड़ितों को समुचित सहायता, समाज की सामूहिक मानसिक और सामाजिक मजबूती, तथा पुनर्निर्माण की

प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।

ये सातों स्तंभ सामूहिक रूप से भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को एक व्यवस्थित, समग्र और बहुआयामी ढांचा प्रदान करते हैं। यह केवल सिद्धांतों का संकलन नहीं, बल्कि एक सुसंगठित और क्रियान्वयन-केन्द्रित रणनीति का आधार है। पारंपरिक और सीमित रिएक्टिव सोच की परिधि से बाहर निकलते हुए यह नीति अब प्रिवेंटिव, प्रोएक्टिव और फ्यूचर-प्रूफ दृष्टिकोण को आत्मसात करती है, जो बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुरक्षा प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है।

जहाँ पहले आतंकवाद को मुख्यतः सीमा-पार गतिविधियों तक सीमित समझा जाता था, वहीं 'प्रहार' अब जल, थल और आकाश—तीनों आयामों में उभरते खतरों की व्यापक पहचान करता है। यह नीति सुरक्षा की पारंपरिक परिभाषा से आगे बढ़कर बहु-स्तरीय और सर्वांगीण दृष्टिकोण अपनाती है। इसमें बिजली, रेलवे, एविएशन, पोर्ट्स, डिफेंस, स्पेस और एटॉमिक एनर्जी जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक एवं सामरिक क्षेत्रों के लिए मल्टी-लेयर सुरक्षा प्रावधानों को सुदृढ़ रूप से शामिल किया गया है, ताकि राष्ट्रीय अवसंरचना किसी भी प्रकार की आतंकी या विघटनकारी गतिविधि से सुरक्षित रह सके। साइबर और ड्रोन युग में, जब दुश्मन अदृश्य, डिजिटल और तकनीकी रूप से अत्याधुनिक हो चुका है, सरकार ने क्रिमिनल हैकर्स, नेशन-स्टेट एक्टर्स, डार्क वेब नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाली फंडिंग तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर कठोर और निर्णायक कार्रवाई का स्पष्ट संकल्प व्यक्त किया है।

'प्रहार' की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उसका समावेशी और सहभागी दृष्टिकोण है। यह नीति आतंकवाद को केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं मानती, बल्कि पूरे समाज को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है। स्कूल, कॉलेज, मीडिया संस्थान, सामुदायिक नेतृत्व और जागरूक नागरिक—सभी को रेडिकलाइजेशन की रोकथाम और सामाजिक समरसता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। नीति में स्पष्ट किया गया है कि अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, किंतु किसी भी समुदाय को सामूहिक रूप से दोषी ठहराने की प्रवृत्ति को स्थान नहीं दिया जाएगा। यह संतुलित और संवेदनशील दृष्टिकोण सुरक्षा की कठोरता तथा सामाजिक सौहार्द—दोनों के बीच सार्थक सामंजस्य स्थापित करता है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत अब आतंकवाद की स्पष्ट और सर्वमान्य परिभाषा, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा तथा प्रभावी वैश्विक सहयोग के पक्ष में दृढ़ और सशक्त आवाज उठाएगा। यह नीति भारत की दशकों पुरानी, अनुभव-सिद्ध आतंकवाद विरोधी लड़ाई को न केवल संरचित और दस्तावेजीकृत स्वरूप देती है, बल्कि उसे निरंतर विकसित और अद्यतन रखने की दिशा भी सुनिश्चित करती है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल रक्षात्मक रणनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यक होने पर निर्णायक और प्रभावी प्रहार करने की क्षमता तथा अटूट इच्छाशक्ति भी रखती है। साइबर और ड्रोन जैसे उभरते खतरों पर विशेष फोकस, खुफ़िया-आधारित रोकथाम की सुदृढ़ व्यवस्था, तथा 'होल-ऑफ-सोसाइटी' दृष्टिकोण भारत को 21वीं सदी के जटिल और बहुआयामी आतंकवाद के विरुद्ध अधिक सशक्त और सक्षम बनाते हैं।

'प्रहार' नीति एक स्पष्ट और ठोस संदेश देती है—भारत अब केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करेगा, बल्कि संभावित खतरों का पूर्वानुमान लगाकर समय रहते निर्णायक कार्रवाई करेगा। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, परंतु उसके विरुद्ध भारत की लड़ाई अब अधिक एकजुट, बुद्धिमत्तापूर्ण, रणनीतिक और अडिग होगी। केंद्र सरकार की यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प प्रदर्शित करती है और भारत को वैश्विक स्तर पर आतंकवाद-रोधी रणनीतियों में अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होती है। यह नीति भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक मजबूत, दूरदर्शी, समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी (मप्र)

इंदौर की सड़कों पर अराजकता बर्दाश्त नहीं: नियम मानिए, वरना दंड के लिए तैयार रहिए

सुरक्षा नियमों की अनदेखी के चलते सड़क हादसों में औसतन दो मौत प्रतिदिन के भयावह आंकड़े को छू लेने के बाद इंदौर अब निर्णायक मोड़ पर है।

बढ़ती वाहन संख्या, अनियोजित पार्किंग और रॉन्ग साइड चलने की आदत ने शहर की सड़कों को जोखिम का मैदान बना दिया है।

यह केवल ट्रैफिक की समस्या नहीं, बल्कि नागरिक अनुशासन की परीक्षा है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो अकाल युवा मौतों की संख्या में वृद्धि होगी और अव्यवस्था स्थायी रूप ले लेगी।

हाल के महीनों में इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि ढील का दौर समाप्त हो चुका है। पलासिया, राजवाड़ा, नवलखा, भंवरकुआं, लसूडिया और सुपर कॉरिडोर जैसे प्रमुख इलाकों में नो-पार्किंग पर सख्त कार्रवाई हुई है। सड़क को निजी पार्किंग समझने वालों के वाहन क्रेन से उठाए जा रहे हैं। यह कार्रवाई प्रतीकात्मक नहीं, चेतावनी है, सार्वजनिक मार्ग पर निजी स्वार्थ नहीं चलेगा।

रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर बैरिकेडिंग और डिवाइडर लगाकर अवैध कट बंद किए गए हैं। यह कदम असुविधा के लिए नहीं, दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए है। जो लोग कुछ मिनट बचाने के लिए नियम तोड़ते हैं, वे दूसरों की जान जोखिम में डालते हैं। ऐसे व्यवहार को अब सहन नहीं किया जाएगा।

तकनीक का उपयोग भी आक्रामक हुआ है। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइट्रम्स) के तहत कैमरों से रेड लाइट जंप, स्टॉप लाइन उल्लंघन, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के मामलों में ई-चालान सीधे घर पहुंच रहे हैं। नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वाले चालाकों भी रिकॉर्ड में आ रहे हैं। संदेश साफ है, कानून की नजर से बचना अब आसान नहीं।

विजयनगर सहित कई चौराहों का पुनर्नियोजन, रोटरी हटाना, नई रोड मार्किंग और ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष निगरानी, ये कदम दिखाते हैं कि सुधार केवल दंड पर नहीं, संरचना पर भी केंद्रित है। फुटपाथ खाली कराए जा रहे हैं ताकि पैदल यात्री सड़क पर उतरने को मजबूर न हों। क्योंकि सुरक्षित पैदल यातायात के बिना सुचारु वाहन यातायात संभव नहीं।

फिर भी सच यह है कि केवल पुलिस शहर को अनुशासित नहीं बना सकती। नियमों का पालन भय से नहीं, जिम्मेदारी से होना चाहिए। हेलमेट, सीट बेल्ट, लेन अनुशासन, ये विकल्प नहीं, अनिवार्यता हैं।

इंदौर को तय करना है कि वह सुविधा के नाम पर अव्यवस्था चुनेगा या अनुशासन के साथ सुरक्षित भविष्य। सख्ती शुरू हो चुकी है; अब नागरिकों को अपने आचरण से साबित करना होगा कि वे इस बदलाव के सहयोगी हैं, बाधा नहीं।

-राजकुमार जैन, यातायात प्रहरी

आंचलिक

गोगांवा में नाकाबंदी तोड़कर भागा तस्कर, बैलेनो से 1.65 लाख की शराब जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● गोगांवा स्थित बजरंगपुर नहर क्षेत्र में मंगलवार शाम अवैध शराब की तस्करी पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने एक बैलेनो कार से लगभग 1.65 लाख रुपए मूल्य की 38 पेटी देशी-विदेशी शराब जब्त की है। जब्त की गई शराब की कुल मात्रा लगभग 385 लीटर है। पुलिस ने लगभग 10 लाख रुपए मूल्य की नीली कार भी जब्त कर ली है। एसडीओपी राकेश आर्य ने बताया कि बजरंगपुर नहर के किनारे कच्चे रास्ते पर पुलिस ने नाकाबंदी की थी। चालक ने कार रोकने के बजाय नाकाबंदी तोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने उसका पीछा किया, जिसके बाद चालक पम्प हाउस के पास कार छोड़कर फरार हो गया। कार की पिछली सीट और डिक्की से कुल 385.344 लीटर शराब बरामद हुई। इसमें 16 पेटी देशी शराब, 15 पेटी लेमाउंट बीयर केन, 2 पेटी ऑफिसर चॉइस व्हिस्की, 3 पेटी लंदन प्राइड व्हिस्की, 1 पेटी ऑफिसर चॉइस व्हिस्की और 1 पेटी लंदन प्राइड वोडका शामिल है। गोगांवा थाने में अपराध क्रमांक 65/26 के तहत आबकारी एक्ट की धारा 34(2) में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

कॉलेज स्नेह सम्मेलन में महापुरुषों पर आधारित प्रदर्शनी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● पीएम ऑफ एक्सीलेंस कॉलेज में तीन दिवसीय स्नेह सम्मेलन का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अतिथि मौजूद रहे। समापन समारोह में निमाड़ी लोककला और आदिवासी भगोरिया नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। मंच पर होली जैसा उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में सांसद गजेंद्र सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सकारात्मक उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तकनीक का सही इस्तेमाल देश को आगे बढ़ा सकता है और युवा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। विशेष अतिथि डॉ. हितेश मुजाल्दे ने सिकल सेल बीमारी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं प्राचार्य डॉ. जीएस चौहान ने कॉलेज की उपलब्धियों और छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा के महापुरुषों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। सम्मेलन के दौरान कुल 39 सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन प्रभारी डॉ. वंदना बर्वे ने बताया कि सोलो डांस प्रतियोगिता में मुस्कान कर्मा ने पहला और माधवी राठौड़ ने दूसरा स्थान हासिल किया।

ऐप से होगी जंगलों की सुरक्षा, 'एम-एस ट्रैप' ऐप से लैस होगा अमला

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● वनों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को हाईटेक बनाने के लिए बड़वाह वन मंडल ने नई पहल शुरू की है। अब जंगल की गश्त और वन्यजीवों की निगरानी 'एम-एस ट्रैप' मोबाइल ऐप के जरिए की जाएगी। इसे लेकर मंगलवार शाम सीआईएसएफ परिसर के हमीर ग्राउंड हॉल में मैदानी अमले के लिए एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में डीएफओ भानुप्रकाश बाथम और एसडीओ कृष्ण निनामा की मौजूदगी में वन परिक्षेत्र अधिकारी निशांत डोसी ने कर्मचारियों को ऐप के बारे में तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस ऐप की मदद से अब वन रक्षकों की गश्त की सटीक लोकेशन और वन्यजीवों की ट्रैकिंग आसान हो जाएगी। इसके जरिए सीधे फील्ड से ही जंगलों की सुरक्षा से जुड़ी रिपोर्ट डिजिटल रूप में भेजी जा सकेगी। वन अधिकारियों के अनुसार, इस तकनीक के आने से वन विभाग के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और जंगल की सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत होगी। ऐप के उपयोग से वनों की 'रियल-टाइम मॉनिटरिंग' संभव होगी, जिससे अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन मंडल की सभी रेंजों के परिक्षेत्र अधिकारी, बीट गार्ड, तेंदूपत्ता प्रबंधक और अन्य मैदानी कर्मचारी शामिल हुए। कार्यशाला के दौरान सभी को मोबाइल पर डेटा फीड करने और ऐप चलाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस आधुनिक पहल से अब वन विभाग के पास हर बीट की सुरक्षा का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल फॉर्मेट में उपलब्ध रहेगा।

ओवरब्रिज के लिए 14 दुकानों पर चला बुलडोजर, रसूखदारों को बख्शने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● स्टेशन रोड पर तीन पुलिया ओवरब्रिज के एप्रोच चौड़ीकरण के लिए 14 दुकानों को तोड़ने की बड़ी कार्रवाई की गई। सुबह 10 बजे राजस्व और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और दोपहर बाद बुलडोजर से दुकानों को ढहा दिया गया। कार्रवाई से नाराज व्यापारियों ने मौके पर जमकर विरोध शुरू कर दिया है। फिलहाल, व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि प्रशासन उन्हें मुआवजे के तौर पर स्टेडियम ग्राउंड की दुकानें दे, अन्यथा वे इस कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। सेतु विकास निगम द्वारा पिछले 7 सालों से तीन पुलिया ओवरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन अब तक इसका केवल 60 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। स्टेशन रोड वाले हिस्से में एप्रोच को लेकर लगातार समस्या बन रही थी। एप्रोच बनाने के लिए पहले माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा हटाई गई थी, लेकिन लंबा टर्न होने के कारण ट्रैफिक एक्सपर्ट्स ने इसकी डिजाइन को खतरनाक बता दिया। इसके बाद नई डिजाइन तैयार की गई और एप्रोच चौड़ीकरण के लिए रेलवे स्टेशन रोड पर महादेव ऑटो पार्ट्स तक की दुकानों को हटाने का निर्णय लिया गया।

कार्रवाई में नगर निगम द्वारा साल 2003 में बनाई गई 14 दुकानों को तोड़ दिया गया। इनमें से 4 दुकानों के मालिक लक्ष्मण चौहान ने बताया कि, 'निगम ने कोई नोटिस तक नहीं दिया। 23 साल पहले नीलामी में हिस्सा लेकर दुकानें ली थी। जिसका किराया अभी तक का जमा करा चुके थे। निगम ने कोई समय-सीमा तक नहीं दी। बदले में स्टेडियम की दुकानें चाहिए, वरना प्रशासन के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख करेंगे।

भोपाल-भुसावल के बीच नई ट्रेन की मांग, विधायक चिटनिस ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● विधानसभा में बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनिस ने भोपाल से भुसावल के बीच नई ट्रेन या मेमू रेल सेवा शुरू करने का अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किया। मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान प्रस्तुत इस प्रस्ताव को सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। अब इसे रेल मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा जाएगा, जिससे लाखों यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिलने की उम्मीद है। विधायक अर्चना चिटनिस ने संकल्प प्रस्तुत करते हुए बताया कि भोपाल और भुसावल के बीच कई लंबी दूरी की ट्रेनें चलती हैं। हालांकि, सामान्य श्रेणी के डिब्बों की कमी और बिना आरक्षण यात्रा की कठिनाइयों के कारण आम नागरिकों, विद्यार्थियों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को काफी परेशानी होती है। भोपाल, बुरहानपुर, हरदा, खंडवा, टिमरनी, खिरकिया और इटारसी जैसे शहरों के यात्रियों के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर प्रदेश की राजधानी है, इसलिए शिक्षा, चिकित्सा और प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। पूर्व में वर्ष 1975 से 1980 के बीच इस मार्ग पर एक ट्रेन संचालित थी, जिसे यात्रियों की कमी के कारण बंद कर दिया गया था। लेकिन, वर्तमान में यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है, जिससे नई रेल सेवा की आवश्यकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यदि नई ट्रेन स्वीकृत करना संभव न हो, तो वर्तमान में संचालित ट्रेन संख्या 11115 और 11116 को भोपाल तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन इटारसी पहुंचने के बाद लगभग 17 घंटे तक यार्ड में खड़ी रहती है। इस अवधि में यह भोपाल जाकर वापस इटारसी लौट सकती है। अर्चना चिटनिस ने यह भी बताया कि वर्तमान में खंडवा से बुरहानपुर के लिए रात 1 बजे एक ट्रेन चलती है, जिसमें यात्रियों की संख्या कम रहती है। यदि इस ट्रेन को भोपाल तक बढ़ाकर पलटकर चलाया जाए, तो सुबह 5 बजे खंडवा से ट्रेन उपलब्ध हो सकेगी, जिससे आम नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। विधायक अर्चना चिटनिस ने कहा कि इस रेल सेवा से मार्ग के छोटे-छोटे ग्रामीण स्टेशनों को भी सीधा लाभ मिलेगा, जिससे किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों का आवागमन सरल होगा।

शांति समिति की बैठक में एएसपी ने दी चेतावनी, नशे में वाहन चलाने, छेड़छाड़ पर होगी सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● आगामी होली, रंगपंचमी, ईद और गणगौर जैसे प्रमुख त्योहारों के मद्देनजर सोमवार शाम पुलिस थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नगर के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस कड़ी निगरानी रखेगी। बैठक को संबोधित करते हुए एडिशनल एसपी शकुंतला रुहल ने बताया कि रंगपंचमी के जुलूस वाले मुख्य मार्गों पर ड्रोन कैमरों से अराजक तत्वों पर नजर रखी जाएगी। उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर होलिका दहन के संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए। एएसपी ने परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजकों को साउंड सिस्टम की आवाज कम रखने के निर्देश दिए। बैठक में त्योहारों की तिथियों पर भी चर्चा हुई।

सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी) ● मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है। सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं कयोंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था। अक्षर ने पिछली बार दबाव के हालातों में बेहतरीन पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी। आपके लिए उन्होंने मैच विजेता पारी खेली थी।

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

चेन्नई (एजेंसी) ●भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी।, क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे। अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, 'अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है।

फिल्म 'भूत बंगला' का नया पोस्टर

मुंबई (एजेंसी) ●अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म भूत बंगला 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है क्योंकि यह बॉलीवुड के ओजी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के बहुप्रतीक्षित रीयूनियन को दिखाती है, जो पूरे 14 साल के लंबे अंतराल के बाद साथ आ रहे हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म ने उन फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों को पसंद करते हुए बड़े हुए हैं। फिल्म को लेकर बज अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर है और इसकी बड़ी वजह इस लेजेंडरी एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी का दोबारा साथ आना है। इनके पिछले कोलैबोरेशन ने हमें कई यादगार कॉमेडी क्लासिक्स दी हैं और भूत बंगला से भी फैन्स को उसी पुरानी दीवानगी और सिग्नेचर ह्यूमर की बड़े पर्दे पर वापसी की उम्मीद है। इस एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने अक्षय कुमार वाला फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया है। फिल्म का यह नया विजुअल एक गहरे हॉरर लुक के साथ-साथ फुल कॉमेडी का तडक़ा भी पेश करता है! अक्षय कुमार एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में नजर आ रहे हैं, जहां उनका पहनावा, रुद्राक्ष, उनकी सिग्नेचर हंसी और डरावने चेहरों और सींगों वाले सिंहासन पर बैठना, फिल्म के लार्जर-दैन-लाइफ स्केल की तरफ इशारा कर रहा है।

तापसी की फिल्मों में वुमेन इंपावरमेंट एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश

मुंबई (एजेंसी) ●समय के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव का दौर आया है। पहले हीरो-प्रधान फिल्मों का जलवा हर तरफ देखने को मिलता था, लेकिन अब महिला प्रधान फिल्मों ने अपनी मजबूत पहचान बना ली है। इस बदलाव की अहम कड़ी रही हैं तापसी पन्नू, जिनकी नई फिल्म 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। तापसी के करियर को देखें तो उन्होंने अनेक ऐसी फिल्में की हैं, जिनका केंद्र वुमेन इंपावरमेंट सामाजिक जागरूकता और मजबूत महिला किरदार रहे हैं। तापसी पन्नू की महिला-प्रधान फिल्मों की शुरुआत ओटीटी पर बड़ी सफलता पाने वाली बदला से और मजबूत हुई। इस फिल्म में वह अपने प्रेमी के मर्डर केस में फंसी एक ऐसी महिला बनीं, जो खुद को निर्दोष साबित करने की जद्दोजहद करती है। उनकी दमदार परफॉर्मेंस को खूब सराहना मिली और यह फिल्म आईएमडीबी पर 7.7 रेटिंग तक पहुंची। इससे पहले तापसी ने पिंक में काम किया था, जिसका 'नो मींस नो' संवाद समाज में नई सोच जगाने वाला साबित हुआ। फिल्म ने महिलाओं की मर्जी, सहमति और भावनाओं के सम्मान पर जोर देते हुए संकीर्ण सोच पर करारा वार किया। साल 2020 में आई उनकी फिल्म थप्पड़ ने घरेलू हिंसा के मुद्दे को बेहद संवेदनशील तरीके से उजागर किया। फिल्म ने दिखाया कि हिंसा एक 'थप्पड़' से शुरू होती है और यह महिलाएं किस तरह अपने सम्मान की लड़ाई लड़ती हैं। इस फिल्म ने न केवल आलोचकों की प्रशंसा हासिल की, बल्कि वर्ल्डवाइड 44 करोड़ से अधिक का बिज़नेस भी किया।

उज्जैन संभाग

केबीसी में नागदा को 'गांव' बताने पर विवाद, अमिताभ ने यहां जल संकट बताया

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ● अमिताभ बच्चन के बयान को लेकर मप्र के नागदा में विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति के एक एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने नागदा को मालवा क्षेत्र का 'एक छोटा सा गांव' बताया। उन्होंने यह बात 'फोर्स फॉर गुड स्टोरीज' सेगमेंट के दौरान कही, जिसमें नागदा में ग्रेसिम इंडस्ट्रीज के सीएसआर कार्यों और पानी की समस्या का जिक्र किया गया था। इस बयान के प्रसारण के बाद नागदा में लोगों की नाराजगी सामने आई। स्थानीय लोगों ने इसे शहर की पहचान को कमतर बताने वाला बयान बताया। विरोध के चलते कोर्ट में परिवाद दायर किया गया, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में शिकायत दी गई और केबीसी की टीम और अमिताभ बच्चन को लीगल नोटिस भी भेजा गया। इस पूरे विवाद के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि ग्रेसिम इंडस्ट्रीज की भूमिका क्या है, जिसकी तारीफ अमिताभ बच्चन ने कार्यक्रम में की थी। नागदा के लोगों की इस समस्या को दूर करने के लिए आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी ग्रेसिम इंडस्ट्रीज ने पिछले कुछ वर्षों में कई काम किए। इनमें नए बांध और जलाशय बनाना, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना और नए आरओ सिस्टम स्थापित करना शामिल है। इसका असर यह हुआ कि नागदा में खेतों को पूरे साल पानी मिलने लगा। इन प्रयासों के कारण आज नागदा में करीब 5,000 हेक्टेयर जमीन पर अच्छी फसल हो रही है। लगभग 9,000 परिवारों, यानी करीब 3 लाख लोगों को नियमित पानी और आय का साधन मिला है। अमिताभ बच्चन ने इन कामें के लिए ग्रेसिम की सराहना करते हुए बधाई दी। उन्होंने यह भी बताया था कि, ग्रेसिम जन सेवा ट्रस्ट द्वारा नागदा में एक अस्पताल की स्थापना की गई है, जहां हर साल लगभग 1 लाख 40 हजार मरीजों का इलाज किया जाता है।

आशीष सिंह ने स्कूल का निरीक्षण किया, बच्चों से पूछा-बताओ इनमें बड़ी संख्या कौन सी है

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने मंगलवार को शासकीय जीवाजीगंज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहन नगर परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 1 और 2 के विद्यार्थियों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी पढ़ाई और गतिविधियों को समझा।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त सीधे कक्षा में पहुंचे और बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने शिक्षकों से विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा 'खेल-खेल में पढ़ना सीखो' जैसी गतिविधियों के बारे में पूछा। बालिका इशिता, जानवी और छात्र मोहित ने आयुक्त के सामने पाठ पढ़कर सुनाया, जिस पर उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

रिजल्ट शीट का निरीक्षण किया

आयुक्त ने परिणाम आधारित शिक्षण पद्धति और प्रगति रिपोर्ट (रिजल्ट शीट) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने

शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और प्रत्येक छात्र की प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बच्चों से बातचीत के दौरान आयुक्त ने संख्या ज्ञान से जुड़ा प्रश्न पूछा- 'बताओ इनमें बड़ी संख्या कौन सी है?' बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ सही उत्तर दिया, जिस पर आयुक्त ने उनकी सराहना की और पीठ थपथपाई। विद्यालय निरीक्षण के बाद संभाग आयुक्त गांधीनगर वार्ड 6 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने चल रहे वैक्सीनेशन कार्य का भी जायजा लिया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

1000 बसों के थमेंगे पहिए, 2 मार्च से प्रदेशभर में निजी बसों का संचालन बंद करने की घोषणा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● प्राइम रूट बस ऑनर्स एसोसिएशन (मप्र) ने 2 मार्च 2026 से प्रदेशभर में निजी बसों का संचालन बंद करने की घोषणा की है। यह निर्णय 22 फरवरी को सागर में हुई एक बैठक में लिया गया। संगठन का आरोप है कि सरकार की नई स्टेज कैरिज नीति, लगातार जारी हो रहे राजपत्र और करों में वृद्धि से बस ऑपरेटरों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

एसोसिएशन ने 'सुगम परिवहन योजना' को भी अव्यावहारिक और बोझिल बताया है। उनका कहना है कि यह योजना निजी बस संचालकों के हितों के खिलाफ है और इससे उनका व्यवसाय संकट में पड़ जाएगा।

सागर में हुई बैठक में प्रदेशभर के बस ऑपरेटरों ने सर्वसम्मति से हड़ताल का फैसला किया। ऑपरेटरों ने आरोप लगाया कि लगातार नए राजपत्र जारी कर हर बार नए नियम लागू किए जा रहे हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश जटिया ने कहा कि 'सुगम परिवहन योजना' का नाम भले ही सहज लगे, लेकिन व्यवहार में यह निजी बस ऑपरेटरों और यात्रियों दोनों पर आर्थिक दबाव डालेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना के तहत बसों को लीज पर लेने और मौजूदा परमिट निरस्त करने जैसी बातें कही जा रही हैं, जो संचालकों के लिए अस्वीकार्य हैं।

इसी विरोध के चलते उज्जैन जिले में भी लगभग 1000 बसों के पहिए थमने की आशंका है। एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर आज कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन भी सौंपा है।

महाकाल-ओंकारेश्वर का प्रसाद स्पीड पोस्ट से, ग्रामीण डाक सेवकों का हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन के मंच से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग की बदलती भूमिका को रेखांकित किया। इस दौरान देश-विदेश में श्रद्धालुओं की मांग पर अब महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर का लड्डू प्रसाद स्पीड पोस्ट से भेजे जाने की घोषणा की गई। यह सम्मेलन मंगलवार शाम को क्षिप्रा तट स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड पर आयोजित किया था। इसमें हजारों ग्रामीण डाक सेवक मौजूद थे। जहां केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डाक विभाग की भूमिका को 'देश की जीवनरेखा' बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से घोषणा की कि श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए अब महाकालेश्वर मंदिर और ओंकारेश्वर मंदिर का लड्डू प्रसाद डाक विभाग द्वारा पैक कर स्पीड पोस्ट से देशभर में भेजा जाएगा। उन्होंने इस पहल को सिर्फ सेवा नहीं, बल्कि एक पुण्य कार्य बताया। सीएम

यादव ने डाक विभाग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 1854 से शुरू हुई यह व्यवस्था समय के साथ आधुनिक होती गई है और आज डीबीटी, बैंकिंग, बीमा, आधार जैसी योजनाओं के जरिए डाक विभाग आम नागरिक तक सरकार की योजनाएं पहुंचा रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि देश में 1.65 लाख से अधिक डाकघरों का नेटवर्क है, जो विश्व में अद्वितीय है। उन्होंने 2030 तक डाक विभाग को 'प्रॉफिट सेंटर' में बदलने का लक्ष्य घोषित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उज्जैन के दर्शनीय स्थलों के चित्र वाले पोस्ट कार्ड का भी लोकार्पण किया। डाक विभाग द्वारा 20 रुपए कीमत के इन पोस्ट कार्ड को उज्जैन की यादों के साथ भेजा जा सकेगा। मीडिया से बात करते हुए सिंधिया ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट भारत का आयोजन था, न कि किसी राजनीतिक दल का। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के दौरान अशोभनीय व्यवहार से देश की छवि को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिसकी निंदा अन्य दलों ने भी की।

न्यूज ब्रीफ

भिक्षावृत्ति से शिक्षा की ओर, 40 बच्चों के जीवन में नई सुबह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल ने 40 बच्चों के जीवन की दिशा बदल दी। कभी सड़कों और चौराहों पर भिक्षावृत्ति में संलग्न रहने वाले परिवारों के ये बच्चे अब स्कूल की कक्षाओं में बैठकर अपने सपनों को आकार दे रहे हैं। भिक्षुक मुक्त इंदौर अभियान के अंतर्गत प्रशासन ने इन बच्चों की पहचान कर न केवल उनका पुनर्वास किया, बल्कि उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। सुदामा नगर स्थित शारदा माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को उनकी आयु के अनुसार प्रवेश दिलाया गया। प्रवेश के साथ ही उन्हें स्कूल किट, यूनिफॉर्म और आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान की गई, जिससे बच्चों और उनके परिजनों में उत्साह और आत्मविश्वास दोनों बढ़ा। इस पहल का सबसे भावुक क्षण तब देखने को मिला जब बच्चे और उनके परिजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करने जनसुनवाई के दिन आज कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की, उन्हें बिस्कुट और शिक्षण सामग्री वितरित की तथा पढ़ाई जारी रखने की प्रेरणा दी।

युवाओं को नौकरी देने लिये रोजगार मेला 2 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए इन्दौर जिले में 'युवा संगम' कार्यक्रम रोजगार मेले लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अगला रोजगार मेला जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय इन्दौर द्वारा 02 मार्च सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) 10 पोलोग्राउंड इन्दौर में आयोजित किया जाएगा। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में युवाओं को करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाएगा। साथ ही स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रक्रिया एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर आकर्षक वेतन पर प्रारंभिक चयन करेंगे।

त्योहारों पर शांति के लिए पुलिस विभाग हुआ तैयार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● होली, रंगपंचमी, रमजान, इंद आदि त्यौहारों के मद्देनजर शहर में पुलिस के कड़े सुरक्षा इंतजाम रहेंगे। पुलिस ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी है। मंगलवार को डीआरपी लाइन में पुलिस टीम को इस बात की ट्रेनिंग दी गई कि इसकी रिहर्सल के लिए पुलिस टीम ही बलवाई बनी और माकडिल की गई। इसमें महिला पुलिस कर्मियों ने भी भाग लिया। मंगलवार को डीआरपी लाइन में पुलिस अफसरों ने बलवा

परंड आयोजित कर तैयारियों को परखा और पुलिस टीमों को

उपद्रव होने की स्थिति को नियंत्रित करने का प्रशिक्षण दिया। मंगलवार सुबह डीआरपी लाइन में विभिन्न थानों के बल को साथ लेकर बलवा ड्रिल का अभ्यास किया गया। इस दौरान किसी भी संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था या अप्रिय स्थिति में पुलिस किस प्रकार कार्य करें तथा बलवा दिल की सामग्री से सुसज्जित होकर कैसे उनका उपयोग किया जाए इस संबंध में बताय गया। इसका जीवंत अ यास किया गया। एक पुलिस टीम बलवाइयों के रूप में सामने थी।

पुलिस ने उपद्रवियों को पहले चेतावनी दी किर पानी की बौछारों के बाद उपद्रवियों को दी चेतावनी जनस के गोले दागे और न मानने पर लाठी चार्ज भी किया। इस दौरान घायलों की कैसे मदद की जाए ये भी बताया गया। बलवा ड्रिल सामग्री को पहनने का तरीका, किस टूल का कैसे इस्तेमाल करना और उपद्रवियों से खुद को कैसे सुरक्षित रखना और उनसे कैसे निपटना है बताते हुए बलवा नियंत्रण वाहन जैसे घटर केनन् रूद्र वहन बजे पहन इत्यादि वा संचालन किस स्थिति में एप किस प्रकार करें वह भी बताया गया।

राहुल गांधी से मिले पत्थर खाने वाले नेता, बताया कैसे हुआ था गांधी भवन पर हमला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में कांग्रेस नेता के साथ हुए पथराव की घटना के बाद राहुल गांधी से मिले। इस घटना में तीन एफआईआर दर्ज की गई। जानें पूरी जानकारी, आरोप और बीजेपी-कांग्रेस के बयानों के बारे में।

इंदौर में शनिवार 21 फरवरी को कांग्रेस के गांधी भवन दफ्तर के बाहर पथराव में घायल कांग्रेस नेता मंगलवार को राहुल गांधी से मिले। भोपाल में कांग्रेस की किसान महाचौपाल को लेकर लोकसभा प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी आए थे। राहुल गांधी ने भाषण खत्म करने के बाद मंच पर ही कांग्रेस इंदौर जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े से मुलाकात की। जिलाध्यक्ष वानखेड़े ने उन्हें घटना और पथराव की पूरी जानकारी दी।

बोले- डरना मत, लगातार लड़ना है-वानखेड़े ने राहुल गांधी के पास

बैठकर घटना की विस्तार से जानकारी दी। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी के लोग नफरत फैलाने वाले लोग है, हमे इनसे किसी भी हाल में डरना नहीं है। लगातार लड़ना है और मैं सभी लड़ने वालों के साथ खड़ा हूं। उन्होंने एक बार फिर कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर है।

इस मामले में हुई है तीन एफआईआर-उल्लेखनीय है कि इस बड़े बवाल में पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की है। इसमें बीजेपी के आवेदन पर कांग्रेस के 20 पदाधिकारियों पर नामजद केस हुआ है। जिसमें दंगे, बलवे जैसी धाराएं हैं। वहीं कांग्रेस की शिकायत पर अज्ञात पर यानी बिना नाम के एफआईआर हुई।

हालांकि, कांग्रेस ने इसमें 32 नाम दिए थे। वहीं तीसरी एफआईआर पुलिस की ओर से अज्ञात पर शासकीय काम में बाधा का दर्ज हुआ है। पुलिस का कहना है कि वीडियो देखकर सभी की भूमिका तय होगी और आरोपियों को नामजद भी किया जाएगा।

यह नाम दिए थे कांग्रेस ने - रोहित चौधरी, सौगात मिश्रा, सुमित मिश्रा, सर्वजीत गौड़, हरप्रती बख्शी, आवेश राठौर, बिंदू चौहान, अक्षत चौधरी, कमलसिंह चौहान, मनोज परांजपे, निखिल खानविलकर, निक्की राय, चंदनसिंह बैस, यशव यदाव, राजा कोठारी, हिमांशु मालवीय, लक्ष्मीनारायण पानेरी, दीपेश पचोरी, अनिल पाटिल, अरूण पेंढारकर, ए.पेंढारकर, मोईन अली, सन्नी तिवारी, मुकेश जायसवाल, नाना चौधरी, अशौक चौहान चांदू, शिवपाल, विनोद डींडावा, संजय कौशिक, गब्बर पहलवान, रजत शर्मा और विक्की कखरे।

बीजेपी की एफआईआर में इनके नाम-बीजेपी युवा मोर्चा की ओर से आवेश राठौर की शिकायत पर कांग्रेस पदाधिकारियों पर केस हुआ है। इसमें जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े के साथ ही शहराध्यक्ष चिंटू चौकसे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल, पार्षद राजू भदौरिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष सोनाली मिमरोट, दौलत पटेल, सादिक खान, विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी, , निखिल वर्मा, महक नागर, दानिश खान, शैलू सेन, संजय बाकलीवाल, अमन बजाज, आकाश निजामपुरकर, जाकिर जक्कू, नफीस गब्बर, परवेज खान, जुनैद पर नामजद केस हुआ है।

महू में भगवा कुनबे में महिला नेत्रियों के बीच शुरू हुआ कोल्ड वार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सीएम डॉ. मोहन यादव ने महू में 85 करोड़ के विकास कामों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया था। इस कार्यक्रम ने महू की दो बीजेपी महिला नेत्रियों के बीच में खटास पैदा कर दी है।

इस शिलालेख में कैलाश, तुलसी सभी के नाम-सीएम के जरिए जो रिमोट दबाकर शिलालेख का अनावरण किया गया, उसमें दर्जन भर नाम हैं। सबसे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव का नाम है, फिर कार्यक्रम की अध्यक्षता के तौर पर विधायक उषा ठाकुर का नाम है। विशेष अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम भी है।

इसके अलावा मंत्री तुलसीराम सिलावट, मंत्री राकेश सिंह, बीजेपी जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा और अन्य नाम भी शामिल हैं। लेकिन इसमें कविता पाटीदार का नाम कहीं नहीं है। महू में बीजेपी के बीच अंदरूनी लड़ाई कोई नई

बात नहीं है। यहां पर स्थानीय बीजेपी नेता हमेशा से ही इंदौर शहर से आए नेताओं का विरोध करते रहे हैं। कविता पाटीदार के पिता भेरूलाल पाटीदार यहां कई बार विधायक रहे हैं। साथ ही पटवा सरकार में मंत्री भी रहे हैं। उनके निधन (साल 2005) के बाद यहां पर इंदौर से कैलाश विजयवर्गीय चुनाव लड़ने पहुंचे थे। 2008 व 2013 में चुनाव भी जीते थे। इसके बाद लगा कि कविता पाटीदार को टिकट मिलेगा। वहीं इंदौर तीन की विधायक उषा ठाकुर को 2018 के चुनाव के लिए आकाश विजयवर्गीय के लिए अपनी सीट खाली करनी पड़ी। इसके बाद उन्हें फिर महू भेज दिया गया। इसके बाद 2018 व 2023 में वह चुनाव जीती थीं। हालांकि 2023 के दौरान भी उनका भारी विरोध हुआ था। स्थानीय नेता उन्हें किसी भी हाल में टिकट नहीं मिलने देना चाहते थे। अब महू में एक बार फिर नेताओं के बीच खटास उभरकर शिलालेख पर आ गई है। सांसद कविता पाटीदार गुट इसे अपने नेता का अपमान बता रहा है। वहीं ऊषा ठाकुर जो शिवराज सिंह चौहान सरकार में मंत्री रही हैं। वह किसी भी कीमत पर महू से अपना दबदबा कम नहीं करना चाहती हैं। आने वाले चुनाव में कविता पाटीदार टिकट की मजबूत दावेदार हैं। ऐसे में इसे अभी से चुनावी बिछात के रूप में देखा जा रहा है।

जनसुनवाई : कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याएँ सुनी और किया त्वरित निराकरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हर मंगलवार की तरह इस मंगलवार को भी कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखीं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान ड्यूटी के समय दुर्घटना में घायल एक नगर निगम कर्मी किरण गर्दे का मामला भी सामने आया। इस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निगम कर्मी का पूर्ण एवं समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। महूगांव स्थित मुक्ति धाम की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 2 करोड़ रुपए की स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने स्थानीय प्रतिनिधि कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर को पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने बताया कि स्वीकृत राशि से मुक्ति धाम में आवश्यक सुविधाओं का विकास होगा, जिससे आमजन को बेहतर व्यवस्थाएं मिल सकेंगी। जनसुनवाई में ब्लड कैंसर से जूझ रही एक बच्ची भी अपने पिता के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंची और मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीएवीवी में परीक्षा व्यवस्था सख्त, 60 से अधिक ऑब्जर्वर संभालेंगे केंद्रों की कमान

200 से अधिक बनाए परीक्षा केंद्र, डेढ़ लाख सेज्यादा विद्यार्थी होंगे शामिल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डीएवीवी ने आगामी यूजी-पीजी परीक्षाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। सालभर में ऑब्जर्वर (सेवानिवृत्त अधिकारियों) की संख्या 25 से बढ़कर 60 से अधिक हो गई है। अब इन्हें बड़े और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

सरकारी विभागों से सेवानिवृत्त अधिकारियों को ऑब्जर्वर बनाने की प्रक्रिया मार्च 2025 में शुरू हुई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तय किया है कि इस बार सभी पंजीकृत 60 ऑब्जर्वरों को केंद्रों पर तैनात

किया जाएगा। शुक्रवार को बैठक कर उन्हें परीक्षा संबंधी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। 5 मार्च से बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएचएमसी सहित अन्य पाठ्यक्रमों के तृतीय व चतुर्थ वर्ष की परीक्षाएं शुरू होकर 10 अप्रैल तक चलेंगी। इसके बाद स्नातक प्रथम-द्वितीय वर्ष और स्नातकोत्तर सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी। 200 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिन केंद्रों पर एक सत्र में 300 से 500 विद्यार्थी परीक्षा देंगे, वहां ऑब्जर्वर अनिवार्य रूप से तैनात रहेंगे। संवेदनशील केंद्रों पर दो-दो ऑब्जर्वर लगाए जाएंगे। ऑब्जर्वर प्रश्नपत्र के बंडल खुलवाने, कक्षों में पेपर पहुंचाने, उत्तरपुस्तिकाएं सुरक्षित भिजवाने और नकल रोकने की निगरानी करेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि मार्च से जुलाई के बीच 100 से अधिक परीक्षाएं होंगी, जिनमें डेढ़ लाख से ज्यादा विद्यार्थी शामिल होंगे।

लक्ष्मीबाईनगर स्टेशन पर हैं तीन प्लेटफार्म

इंदौर-उज्जैन रेल सेक्शन पर सिंहस्थ में 300 ट्रेनें चलने की संभावना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर-उज्जैन रेल सेक्शन पर सिंहस्थ में लगभग 300 ट्रेनों के संचालन की संभावना है। ऐसे में लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन यात्रियों की सुविधा और ट्रैफिक प्रबंधन दोनों में अहम भूमिका निभाएगा। वर्तमान में स्टेशन पर तीन प्लेटफार्म हैं, जबकि दो नए प्लेटफार्म निर्माणाधीन हैं। साथ ही दो अतिरिक्त रेलवे ट्रैक भी बिछाए जा रहे हैं। इससे लंबी दूरी की ट्रेनों का ठहराव आसानी से हो सकेगा।

सिंहस्थ से पहले तैयार करने का टारगेट-सिंहस्थ से पहले तैयार करने का टारगेट है। लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर तीन प्लेटफॉर्म चालू हो चुके है दो निर्माणाधीन है। लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य अभी भी अधूरा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे इस स्टेशन पर जनवरी अंत तक कई काम पूरे करने का वादा किया गया था, लेकिन फरवरी अंत तक भी जमीनी हकीकत अलग है। साइट पर अभी मुख्य रूप से अर्थवर्क का काम चल रहा है, जबकि प्लेटफॉर्म निर्माण अधूरा है और ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है। ऐसे में मार्च में स्टेशन से ट्रेन संचालन शुरू होने की संभावना काफी कम है। अधिकारियों के अनुसार लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के काम पूरे होने के बाद ही इंदौर के मुख्य रेलवे स्टेशन इंदौर से चलने वाली कई ट्रेनों का संचालन भविष्य में महू और लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से किया जाएगा।

काम में देरी से यात्रियों में निराशा-कुछ समय पहले दौरे के दौरान रेलवे अधिकारियों ने दावा किया था कि जनवरी में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा और फरवरी से ही सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेनें चलने लगेंगी। यहां तक कि फरवरी 2026 से स्टेशन को पूरी तरह ऑपरेशनल बनाने की बात कही गई थी, अमृत भारत योजना के अंतर्गत इस स्टेशन का विकास किया जा रहा है, जिसमें नई स्टेशन बिल्डिंग, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और अन्य आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, कार्य में लगातार देरी से स्थानीय यात्रियों में निराशा है। रेलवे प्रशासन से अब स्पष्ट समयसीमा और तेजी से काम पूरा करने की उम्मीद की जा रही है, ताकि इंदौर के रेल यात्रियों को समय पर राहत मिल सके।

आयकर विभाग ने दिया 10 ज्वेलर्स को झटका, 20 करोड़ की ज्वेलरी रहेगी सीज, कोर्ट का आदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आयकर विभाग ने इंदौर और रतलाम के 10 ज्वेलर्स से 20 करोड़ की ज्वेलरी सीज कर ली है। जिला कोर्ट के आदेश पर यह ज्वेलरी आयकर विभाग के पास रहेगी। इस कार्रवाई से जुड़े पूरे मामले की जानकारी प्राप्त करें।

आयकर विभाग ने इंदौर और रतलाम के 10 ज्वेलर्स से 20 करोड़ की ज्वेलरी सीज की। रतलाम पुलिस ने 13 किलो ज्वेलरी 2023 में जब्त की थी, बिना वैध दस्तावेज के। ज्वेलर्स ने ज्वेलरी वापस करने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने आयकर विभाग के पक्ष में फैसला दिया। कोर्ट ने कहा, आयकर विभाग को जांच के दौरान ज्वेलरी सीज करने का अधिकार है। यह ज्वेलरी आयकर विभाग के कब्जे में रहेगी, जांच पूरी होने तक।

रतलाम और इंदौर के दस ज्वेलर्स को झटका लगा है। इन ज्वेलर्स की करीब तीन साल पहले पुलिस द्वारा जब्त की गई 13 किलो ज्वेलरी अब आयकर विभाग के अधीन सीज रहेगी। जिला कोर्ट ने इस संबंध में आयकर विभाग के पक्ष में आदेश कर दिए हैं। यह ज्वेलरी करीब 20 करोड़ से अधिक कीमत की है।

यह है मामला-रतलाम पुलिस थाना रोड स्टेशन द्वारा सितंबर 2023 में सुभाष वर्मा नाम के व्यक्ति के पास 13 किलो ज्वेलरी जब्त की थी। जांच के दौरान पाया गया कि इनके पास किसी तरह के वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने आयकर एक्ट 132 ए व 451 व 457 आईपीसी के तहत केस किया। इसमें आयकर विभाग को सूचना दी गई और इंदौर इन्वेस्टिगेशन विंग ने केस हाथ में लेकर जांच शुरू की।

ज्वेलर्स ने की ज्वेलरी छोड़ने की मांग-इसमें आयकर विभाग ने इस ज्वेलरी को सीज कर उनके पजेशन में देने का लैटर आफ आथराइजेशन पेश किया। आयकर विभाग की ओर से कोर्ट में अधिवक्ता अजय काकानी ने तर्क रखे। वहीं सिद्धम/मेहता ट्रेडिंग के साथ महावीर गोल्ड, एमटीसी गोल्ड, महावीर ज्वेलर्स, मेसर्स रत्न संपत ज्वेलर्स, मेहुल जैन, कंचन ज्वेलर्स, आरएस ज्वेलर्स, गणगौर ज्वेलर्स, मेसर्स नाकोडा ज्वेलर्स, वंशिका गोल्ड बहियरिंग, नक्षत्र आरनामेंट्स, आरबी गोल्ड ने यह ज्वेलरी वापस मांगी। इन्होंने तर्क दिए कि इस ज्वेलरी को लेकर विविध कामों से आर्डर वैध रूप से दिए गए थे। इसके लिए भुगतान भी किया गया। यह ज्वेलरी मुक्त करके हमे दी जाए। जांच के लिए लंबा समय हो चुका है।

कोर्ट ने यह दिए आदेश-इसमें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सपना भारती कतरौलिया ने आदेश जारी किए। इसमें कहा गया कि जब आयकर विभाग जांच शुरू कर देता है तो फिर 451 व 457 धारा पर आयकर एक्ट प्रभावी होता है। ऐसे में यह ज्वेलरी आयकर विभाग के पजेशन में दी जाती है। इसमें जांच के अधिकार आयकर विभाग के पास सुरक्षित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।